मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

रांची, गुरुवार, 3 अप्रैल 2025

संवत 2082, चैत्र शुक्लपक्ष 5 - मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 208 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ कृषि क्षेत्र में करवट बदलता भारत

रणवीर सिंह का दिखेगा अलग अंदाज ◂◂ 6

रांची की बंद फैक्ट्री में घुसे जंगली हाथी, लोगों में दहशत, वन विभाग भगाने का कर रहा प्रयास

रातू थाना क्षेत्र के एनएच 75 स्थित बंद फैक्ट्री में दो जंगली हाथी घुसकर घूम रहे हैं

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची की एक बंद पड़ी फैक्ट्री में दो जंगली हाथियों को देखकर लोगों के होश उड़ गए। दरसअल रातू थाना क्षेत्र के एनएच 75 स्थित बंद फैक्ट्री में जंगल से भटककर दो हाथी घुस गए। दोनों हाथी जंगल से भटककर फैक्ट्री के अंदर घूम रहे हैं। मामले की जानकारी मिलने के बाद रातू थाना पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर मौजूद है।

एनएच-75 के सामने रातू में बंद पड़े बिस्कोमान के कोल्ड स्टोरेज की बाउंड्री में दो जंगली हाथियों के घुसने से हलचल मच गई। मामले की जानकारी मिलने के बाद ग्रामीण हाथियों के झुंड को देखने के लिए लोग इकट्ठा हो गए। लेकिन पुलिस ने ग्रामीणों को समझा-बूझाकर वहां से हटाया। पुलिस ने ग्रामीणों को बताया कि हाथी किसी भी समय अगर बाहर निकलते हैं तो भगदड़ की स्थिति खड़ी हो सकती है।

सही समय पर वन विभाग करेगा रेस्क्यू: वन विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि क्योंकि बंद फैक्ट्री में हाथियों के खाने के लिए बहुत सारा खाना है। इसलिए वह बाहर नहीं निकल रहे हैं। फिलहाल हाथियों को बाहर निकालने के लिए वन विभाग सही मौके की ताक में है। क्योंकि अगर वह दिन के समय बाहर निकलते हैं तो शहर में भगदड़ की स्थिति हो सकती है। फिलहाल हाथियों के मूवमेंट पर वन विभाग दूर से ही नजर रखे हुए हैं।

वहीं पुलिस और वन विभाग की टीम ने प्लान बी भी तैयार करके रखा है। यदि दिन के समय ही हाथी फैक्ट्री से बाहर निकल जाते हैं तो उसी समय सड़क को तुरंत खाली करवा कर उन्हें रास्ता दिया जाएगा।

'दो हाथी बंद पड़ी फैक्ट्री में देर रात प्रवेश कर गए थे। मामले की जानकारी मिलने के बाद सुबह से ही दोनों हाथियों पर दूर से निगरानी रखी जा रही है। सभी ग्रामीणों को मौके से हटा दिया गया है। फिलहाल हाथियों को वहां से भागने के लिए किसी भी तरह का अभियान नहीं चलाया जाएगा। देर रात जब सड़क खाली रहेगी तब दोनों हाथियों को सुरक्षित बंद पड़ी फैक्ट्री से बाहर निकलने का प्रयास किया जाएगा' ।

थाना प्रभारी राम नारायण सिंह।

मुसलमानों को हाशिए पर धकेलने का हथियार राहुल गांधी ने किया वक्फ विधेयक का विरोध

नई दिल्ली: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने वक्फ (संशोधन) विधेयक की निंदा करते हुए इसे मुसलमानों को हाशिए पर धकेलने और उनके निजी कानूनों और संपत्ति के अधिकारों को हड़पने के उद्देश्य से बनाया गया हथियार बताया। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि यह कानून आरएसएस, भाजपा और उनके सहयोगियों द्वारा लाया गया है और यह संविधान पर बड़े हमले का हिस्सा है और धार्मिक अल्पसंख्यकों के अधिकारों को कमजोर करता है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, वक्फ (संशोधन) विधेयक मुसलमानों को हाशिए पर धकेलने और उनके निजी कानूनों और संपत्ति के अधिकारों को हड़पने का उद्देश्य से बनाया गया हथियार है। उन्होंने कहा, आरएसएस, भाजपा और उनके सहयोगियों द्वारा संविधान पर यह हमला आज मुसलमानों पर लक्षित है, लेकिन भविष्य में अन्य समुदायों को निशाना बनाने के लिए एक मिसाल कायम करता है।

राहुल गांधी ने कहा, कांग्रेस पार्टी इस कानून का कड़ा विरोध करती है क्योंकि यह भारत के मूल विचार पर हमला करता है और अनुच्छेद 25, धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करता है।

अल्पसंख्यकों के लिए दुनिया में भारत से सुरक्षित कोई जगह नहीं: रीजीजू

नई दिल्ली: केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि अल्पसंख्यकों के लिए दुनिया में भारत से सुरक्षित कोई स्थान नहीं है और इस देश के बहुसंख्यक लोग खुद को धर्मनिरपेक्ष मानते हैं।

लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए रीजीजू ने सरकार के इस कदम को मुस्लिम विरोधी बताने के कई विपक्षी सदस्यों के दावों को खारिज करते हुए कहा कि इस विधेयक को मुसलमानों को बांटने वाला बताया जा रहा है, जबकि सरकार इसके जरिए शिया, सुन्नी समेत समुदाय के सभी वर्गों को एक साथ ला रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार तो देश में सबसे छोटे अल्पसंख्यक समुदाय पारसी को भी बचाने के लिए प्रयास कर रही है। रीजीजू ने कहा,विपक्ष सरकार की आलोचना कर सकता है, लेकिन यह कहना कि हिंदुस्तान में अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं है, सही नहीं है।

उन्होंने कहा, मैं खुद अल्पसंख्यक हूं और कह सकता हूं कि भारत से ज्यादा अल्पसंख्यक कहीं सुरक्षित नहीं हैं। हर अल्पसंख्यक समुदाय शान से इस देश में जीवन जीता है। उन्होंने विपक्षी सदस्यों को आड़े हाथ लेते हुए कहा, सदन में इस तरह देश को बदनाम करना,आने वाली पीढ़ियां आपको माफ नहीं करेंगी।

वक्फ विधेयक राज्यसभा में पेश, मंत्री किरेन रिजिजू का संबोधन शुरू

नई दिल्ली: वक्फ विधेयक राज्यसभा में पेश वक्फ संशोधन विधेयक राज्यसभा में पेश कर दिया गया है। अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में बिल पेश कर अपना संबोधन शुरू कर दिया है।

लोकसभा ने बुधवार रात करीब एक बजे वक्फ संशोधन विधेयक बहुमत से पारित कर दिया। विधेयक के पक्ष में 288, जबकि विरोध में 232 मत पड़े। सदन ने विपक्ष के सभी संशोधनों को भी ध्वनिमत से खारिज कर दिया। विपक्षी सांसद एनके प्रेमचंद्रन के संशोधन प्रस्ताव पर रात सवा बजे मतदान हुआ, जो 231 के मुकाबले 288 से खारिज हो गया। इसमें बोर्ड में गैर मुस्लिम सदस्य न रखने का प्रस्ताव था। विधेयक पर लोकसभा में 12 घंटे से अधिक समय तक चर्चा हुई। आज विधेयक को राज्यसभा में पेश किया गया।

सभी न्यायाधीश अपनी संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करें: मुख्य न्यायधीश संजीव खन्ना

नई दिल्ली : अभी कुछ ही दिन पहले दिल्ली हाईकोर्ट के जज के घर से करोड़ों रुपए कैश मिलने का मामला सामने आया था। इस घटना के बाद पूरे देश में न्यायपालिका पर सवाल उठने खड़े हो गए थे। देश भर में इस मामले ने तूल पकड़ा हुआ है। अब इसी बीच देश के मुख्य न्यायधीश संजीव खन्ना ने एक आदेश जारी किया है कि देश में सभी न्यायधीशों को अपनी संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करना होगा।

बता दें एक साल पहले सूचना के अधिकार के तहत जानकारी से पता चला कि हाईकोर्ट में जितने जज हैं, उनमें से केवल 13 प्रतिशत ने ही अपनी संपत्ति के बारे में घोषणा कर रखी है। भारत में 25 हाईकोर्ट हैं और उनमें करीब 1100 के आसपास न्यायाधीश। इसमें केवल 98 ने ही अपनी संपत्ति सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराई है। इसमें भी ज्यादातर जज केरल, पंजाब-हरियाणा और दिल्ली हाईकोर्ट के हैं। हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से बड़े पैमाने पर मिले नोटों के बाद ये सवाल पूछा जा रहा है कि क्या जजों की संपत्ति जाहिर करने संबंधी कोई आचार संहिता है।

आरबीआई इस महीने जारी करेगा 50 रुपये का नया नोट

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 50 रुपए के नए नोट को लेकर एक अहम घोषणा की है, जिससे इस नोट को लेकर जनता में हलचल मच गई है। नए 50 रुपए के नोट में गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर होंगे, और इसे जल्द ही सकुर्लेशन में लाया जाएगा। फ्इकने यह भी स्पष्ट किया कि इससे पहले जारी किए गए सभी 50 रुपए के नोट वैध बने रहेंगे, यानी पुराना नोट चलन से बाहर नहीं होगा।

साथ ही, यह नया नोट महात्मा गांधी (नये) सीरीज के डिजाइन के अनुरूप होगा, जो पहले से जारी किए गए 50 रुपए के नोटों जैसा ही होगा। नए नोट का आकार और डिजाइन भी पहले जैसे होंगे, जिसमें फ्लोरोसेंट नीला रंग और हम्पी के रथ का चित्र शामिल होगा, जो भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाता है।

क्या है नए नोट की खासियत?- इस नोट के पीछे हम्पी के रथ का चित्र है, जो भारतीय संस्कृति की समृद्धि और इतिहास को प्रदर्शित करता है। महात्मा गांधी (नई) सीरीज में जारी होने वाले इस नोट में कुछ नई सुरक्षा विशेषताएं भी होंगी, जो इसे और अधिक सुरक्षित बनाएंगी।

पुराने नोट भी रहेंगे वैध: आरबीआई ने यह भी कहा कि पुराने 50 रुपए के नोट जो पहले जारी किए गए थे, वे वैध मुद्रा बने रहेंगे और उनका कोई भी असर नए नोट पर नहीं पड़ेगा।

भारतीय वायुसेना का फाइटर जेट जगुआर दुर्घटनाग्रस्त, एक पायलट की मौत, दूसरा गंभीर

नई दिल्ली : गुजरात के जामनगर जिले में भारतीय वायुसेना (आईएएफ) का एक जगुआर फाइटर जेट बड़ा हादसे का शिकार हो गया। इस दुर्घटना में एक पायलट की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया है। जामनगर के पुलिस अधीक्षक प्रेमसुख डेलू ने घटना की पुष्टि की है। भारतीय वायुसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान जारी कर बताया कि विमान को तकनीकी खराबी का सामना करना पड़ा था। पायलटों ने विमान को आबादी वाले क्षेत्र से दूर ले जाने की कोशिश की। इसी दौरान दुर्घटना हो गई।

पुलिस के अनुसार, विमान में दो पायलट सवार थे। हादसे के समय एक पायलट समय रहते विमान से बाहर निकलने में सफल रहे, जबकि दूसरे पायलट की मौत हो गई। घायल पायलट का अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह दुर्घटना जामनगर शहर से लगभग 12 किलोमीटर दूर सुवरदा गांव के पास हुई। सामने आए एक वीडियो में खेत में आग लगी हुई दिखाई दे रही है। विमान का कॉकपिट और पिछला हिस्सा अलग-अलग स्थानों पर पड़ा हुआ है, और दोनों हिस्सों में आग लगी हुई थी।

भारतीय वायुसेना ने पायलट की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है और कहा है कि वह शोकाकुल परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। दुर्घटना के कारणों की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दे दिया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले पिछले महीने हरियाणा के अंबाला में भी एक जगुआर ट्रेनिंग विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। उस घटना में पायलट ने समय रहते खुद को इजेक्ट कर लिया था और किसी बड़े नुकसान से बचा लिया गया था।

मुंबई में बड़ी साजिश नाकाम लॉरेंस गैंग के 5 सदस्य गिरफ्तार

बड़े बिजनेसमैन पर थी हमले की तैयारी

मुंबई : मुंबई में क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन सेल (एईसी) ने एक होटल से पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। ये सभी आरोपी लॉरेंस विश्नोई गैंग के बताए जा रहे हैं और मुंबई में किसी बड़े उद्योगपति और अन्य व्यक्तियों पर हमले की तैयारी में थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7 देसी पिस्तौल, 21 जिंदा कारतूस और 2 सिम कार्ड बरामद किए हैं। हालांकि पुलिस ने अब तक इस बात का खुलासा नहीं किया है कि किस व्यक्ति पर हमले की साजिश रची जा रही थी।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विवेक कुमार गुप्ता, सुमित कुमार दिलावर, विकास दिनेश ठाकुर उर्फ विक्की, देवेन्द्र सक्सेना और श्रेयस यादव के रूप में हुई है। विवेक गुप्ता राजस्थान के अलवर जिले का रहने वाला है, जबकि सुमित कुमार हरियाणा के सोनीपत से ताल्लुक रखता है। विकास उर्फ विक्की यूपी के गोरखपुर का रहने वाला है। वहीं देवेन्द्र सक्सेना मध्य प्रदेश के इंदौर का निवासी है और श्रेयस यादव बिहार के गोपालगंज का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में से कुछ पहले भी आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहे हैं। विकास ठाकुर उर्फ विक्की के खिलाफ उत्तर प्रदेश के सेंधवा में अवैध हथियार रखने का मामला दर्ज है।

एसबीआई में पैसा जमा कराने गए शख्स ने कुछ ऐसे भरी पर्ची, जिसे देखकर बैंक मैनेजर का दिमाग चकराया

● रसीद का विवरण देख आप भी हो जाएंगे हैरान ● बैंक की रसीद हुई वायरल ● बैंक स्लिप कम और बायो डाटा ज्यादा लग रहा

हर कोई बैंक में पैसा जमा करता है या निकालता है, तो उसे एक पर्ची भरनी पड़ती है। लेकिन कई बार लोग इसे सही से नहीं भर पाते हैं। हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की एक रसीद की तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। यह रसीद न केवल अपने अनोखे विवरण के लिए वायरल हो रही बल्कि इसके पीछे की भावनात्मक कहानी ने भी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा।

रसीद का विवरण देख आप भी हो जाएंगे हैरान: यह रसीद एक पे-इन-स्लिप है, जो 30 फरवरी 2025 की तारीख को जारी की गई थी। रसीद पर खाताधारक का नाम सोनू की मम्मी लिखा हुआ है, और खाता संख्या 18120317531 लिखा है। रसीद में जमा की गई राशि 22,000 रुपये है, शख्स ने राशि की जगह अपनी जन्मकुंडली वाली राशि का नाम कन्या लिखा है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि उसने रसीद पर मांगे गए विवरण की जगह मोनू की पढ़ाई के लिए जमा करना है लिखा है। राशि को शब्दों में बाईस हजार के रूप में दर्ज किया गया है, और योग यानी की टोटल' की जगह शख्स ने राजयोग लिखा है।

बैंक की रसीद हुई वायरल: सोशल मीडिया पर इस पोस्ट को देख ऐसा नहीं लगता कि इसे किसी ने बैंक में जमा किया होगा क्योंकि बैंक में इतनी गलतियों के साथ कोई भी रसीद स्वीकार नहीं की जा सकती। इस रसीद में पहली गलती तो ये है कि इसमें तारीख की जगह पर 30 फरवरी 2025 लिखा है जो गलत है, क्योंकि फरवरी महीने में कभी भी 30 तारीख नहीं होती। दूसरी गलती ये कि, सोनू की मम्मी जैसे अनौपचारिक नाम का उपयोग हम बैंकिंग के काम में नहीं कर सकते। तीसरी गलती रसीद पर लिखे गए विवरण में देख सकते हैं, जिस पर लिखा गया है, मोनू की पढ़ाई के लिए जमा करना है। इन सभी गलतियों को देखते हुए ऐसा लग रहा है जैसे इस पोस्ट को वायरल करने के उद्देश्य से ही इस रसीद को भरा गया है।

बैंक स्लिप कम और बायो डाटा ज्यादा लग रहा : सोशल मीडिया पर जैसे ही यह रसीद वायरल हुई, लोगों ने कमेंट करना शुरू कर दिया। कई यूजर्स ने इस पर मजेदार कमेंट करते हुए चटकारे लेते नजर आए तो वहीं, कई यूजर्स ने एक पिता होने के नाते शख्स के इस प्रयास को सराहा। एक यूजर ने इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, यह रसीद सिर्फ एक कागज का टुकड़ा नहीं, बल्कि एक पिता की अपने बच्चे के भविष्य के लिए की गई मेहनत की कहानी है। दूसरे ने लिखा- ये बैंक स्लिप कम और बायो डाटा ज्यादा लग रहा है।

वक्फ विधेयक पर केशव महतो ने केंद्र पर साधा निशाना, कहा-

'संविधान का उल्लंघन और देश में विभाजन की कोशिश'

संवाददाता

रांची: वक्फ संशोधन विधेयक पर जारी सियासी घमासान के बीच झारखंड कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बुधवार इस विधेयक की निंदा की। साथ ही उन्होंने इसे संविधान द्वारा मुसलमानों को दी गई धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करने का प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक बेरोजगारी और महंगाई जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश है।

संशोधन को बताया देश विभाजित करने का प्रयासः पत्रकारों से बातचीत के दौरान कमलेश ने कहा कि हम संशोधन के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इसके इरादे के खिलाफ हैं। यह संशोधन राज्य और देश के हित में होना चाहिए, लेकिन यह देश में विभाजन पैदा करने का प्रयास है। साथ ही उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह विधेयक मुसलमानों के अधिकारों को कमजोर करता है और सरकार को वक्फ संपत्तियों पर नियंत्रण का अधिकार देता है।

नाबालिग से दुष्कर्म के बाद पत्थर से कूचकर हत्या,आरोपी के घर से शव बरामद

- स्थानीय लोगों ने आरोपी को पीटा, किया पुलिस के हवाले
- आक्रोशित लोगों ने रात एक बजे तक किया रोड जाम

संवाददाता

पलामूः प्रमंडलीय मुख्यालय स्थित शहर थाना क्षेत्र के कांदु मुहल्ला के टिंकू शर्मा ने 10 वर्षीय नाबालिग से पहले दुष्कर्म किया, इसके बाद उसकी हत्या कर दी। आरोपी नशे का आदि है। नाबालिग के परिजनों ने बताया कि बुधवार की सुबह 11 बजे आरोपी टिंकू ने नाबालिग को आम खिलाने के बहाने अपने घर ले गया था। वह वहां पर पहले से ही मौजूद मुहल्ले के अन्य बच्चों के साथ आम पेड़ के नीचे बैठकर आम खाने लगी। इस दौरान आरोपी ने उसे बड़ा आम खिलाने की लालच देकर वहां से अपने घर ले गया और दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के बाद उसने हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी घर का दरवाजा लगाकर पास के नदी किनारे शराब पीने चला गया। जब काफी देर तक नाबालिग घर नहीं पहुंची, तो परिजन ढूंढने लगे। इस दौरान आम पेड़ के नीचे खेल रहे दूसरे बच्चों ने मामले की जानकारी दी। परिजनों ने इसके बाद आरोपी से पूछा, तो वह टाल मटोल करने लगा। नाबालिग के माता पिता को आशंका हुई कि वह उसे कहीं बेच दिया है। हालांकि बाद में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। जिसके बाद मुहल्ले वालों ने उसकी जमकर पिटाई कर दी और पुलिस को सौंप दिया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। घटना के बाद मोहल्ले के आक्रोशित लोग हंगामा कर रहे हैं और वरीय पुलिस अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे हैं। सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच कर रही है।

पुलिस ने आरोपी को एमएमसीएच में भर्ती कराया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना से आक्रोशित लोगों ने बुधवार की रात 11 बजे से रात एक बजे तक टायर जलाकर सड़क जाम कर दी। बाद में पुलिस प्रशासन के समझाने बुझाने के बाद जाम को हटाया गया। परिजनों ने बताया कि नाबालिग के शव के ऊपर पत्थर रखा हुआ था। पत्थर के ऊपर टूटा हुआ दरवाजा रखा हुआ था। जब दरवाजा को हटाया गया तो देखा कि नाबालिग के शरीर पर कपड़े नहीं थे।

गिरिडीह पुलिस ने किया ट्रिपल मर्डर केस का खुलासा

अवैध संबंध के शक में पति ने की पत्नी और दो बच्चों की हत्या

गिरिडीहः जिले में हुए ट्रिपल मर्डर का खुलासा पुलिस ने कर लिया है। साथ ही आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक हत्यारे ने पहले तीनों को घर के अंदर ही काफी बेरहमी से पीटा। पति से जान बचाने के लिए जब पत्नी अपने दोनों बच्चों को लेकर घर से निकली तो पति ने रास्ते में रोककर अपनी 9 साल की बेटी को तालाब के चट्टान पर पटक दिया और फिर तालाब में फेंक दिया, जिससे उसकी जान चली गई। इसके बाद आरोपी ने अपने मासूम बेटे और पत्नी की भी जान ले ली। यह मामला जिला के लोकाय नयनपुर थाना क्षेत्र से जुड़ी है। दरअसल इस गांव के रहने वाले एक महिला और दो बच्चों का शव दो दिन पूर्व इसी थाना क्षेत्र के पनियाय गांव के तालाब के पास मिली थी। इनमें 29 वर्षीय महिला, 09 वर्ष की बालिका और 06 वर्ष का बालक शामिल था। इसकी सूचना मिलते ही एसडीपीओ ने एसपी को इसकी जानकारी दी।

इस बीच महिला के भाई ने थाना में लिखित शिकायत देते हुए अपने जीजा के अलावा अन्य दो सुनील हेंब्रम, मंझलू हेंब्रम पर हत्या का आरोप लगाया। एसपी डॉ बिमल ने एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद की अगुवाई में टीम गठित की। इस टीम में इंस्पेक्टर गावां, लोकाय थानेदार अमित, मंशाडीह अमित कुमार, थानसिंगडीह ओपी के नीरज कुमार, थाना प्रभारी तिसरी रंजय कुमार और थाना प्रभारी गावां अभिषेक कुमार के अलावा अन्य पदाधिकारी को शामिल करते हुए जांच शुरू की गई। मामला हत्या का प्रतीत हुआ तो खोजी कुत्ता के साथ रांची से फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। छानबीन शुरू हुई और शव को कब्जे में लिया गया। वहीं, मृतका के पति को पूछताछ के लिए थाना लाया गया। यहां पूछताछ के दरमियान उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद ने इसकी पुष्टि करते हुए पूरे घटना की जानकारी दी। एसडीपीओ ने बताया कि पूछताछ में आरोपी पति ने बताया कि उसकी पत्नी का किसी से संबंध था। जिसकी जानकारी उसे लगातार मिल रही थी। ऐसे में घटना के दिन शाम पांच बजे वह अपने तीन साथियों के साथ पत्नी को यह कहकर घर से निकला कि वह काम करने जा रहा है। फिर तीनों साथियों ने ताड़ी पी। ताड़ी पीने के बाद चारो ने अपनी बाइक दोनों साथियों को दे दिया कि और वहीं से अपनी भाई की बाइक लेकर वापस अपने घर लौट आया। वारदात की रात करीब 9:40 में वापस घर आया तो उसने देखा कि घर के अंदर उसकी पत्नी के साथ चचेरा भाई है। यहां चचेरे भाई के साथ नोक झोंक हुई। फिर चचेरा भाई चला गया। इसके बाद पति ने दरवाजा बंद कर दिया और पत्नी के साथ दोनों बच्चों की पिटाई शुरू कर दी। एसडीपीओ का कहना है कि मृतका के घर के अंदर मारपीट के भी साक्ष्य मिले हैं। इस मामले में दो अन्य लोगों पर भी आरोप लगा है, उसकी जांच की जा रही है।

मंईयां सम्मान योजना की राशि नहीं मिलने से महिलाओं में रोष

आखिर कब मिलेंगे लाभुकों को पैसे?

संवाददाता

रांचीः सरकार की महत्वकांक्षी योजना मंईयां सम्मान योजना की राशि जिन लाभुकों के खाते में पहुंच गई है वे बेहद ही खुश हैं और जिनके खाते में नहीं आई है वे निराश है। बता दें कि, जिन महिलाओं का बैंक खाता डीबीटी से जुड़ा है, उनके खाते में मंईयां सम्मान योजना की राशि आ गई है। दरअसल, कई महिलाओं को अभी तक मंईयां सम्मान योजना के पैसे नहीं मिले हैं। वहीं कई महिलाएं ऐसी भी हैं जिन्हें शुरू से ही इस योजना का लाभ नहीं मिला है। वे इस योजना के लाभ से वंचित हैं। वहीं महिलाएं राशि आने की आस लगाए बैठी हैं। राशि से वंचित महिलाएं प्रपत्र सुधारने प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगा रही हैं।

मंईयां सम्मान योजना की राशि नहीं मिलने पर महिलाओं में रोषः सुनीता देवी बताती हैं कि, मंईयां सम्मान योजना का फार्म भरा है। स्वीकृत भी हुआ है। एक हजार रुपये मिला भी है। 2500 रुपये की घोषणा होने के बाद राशि भी सरकार दे रही है। लेकिन, अभी तक 7500 रुपये बैंक खाते में नहीं आया है। वहीं नवादा की सगुन कुमारी बताती हैं कि, पांच अक्टूबर 2024 को फार्म भरकर कार्यालय में जमा किया गया है, लेकिन अब तक एक बार भी बैंक खाते में राशि नहीं आई है। राशि के लिए पंचायत भवन, प्रखंड कार्यालय और बैंक के चक्कर भी काट रहे हैं। बाबुओं का कहना है कि आवेदन स्वीकृत है। राशि खाते में चली जाएगी। भूखे प्यासे बैंक व प्रखंड कार्यालय का चक्कर काटकर शाम को बैरंग लौट जाते हैंह्व। वहीं अन्य महिलाओं ने योजना की राशि नहीं आने पर कहा कि, सरकार ने बहुत अच्छी योजना चलाई है, लेकिन राशि नहीं मिलने पर महिलाओं में काफी नाराजगी भी है। राशि नहीं मिलने से परेशानी बढ़ गई है। महिलाओं का कहना है कि, जब कार्यालय जाते हैं तो प्रखंड कार्यालय के बाबू राशि आ जाने का भरोसा देकर सबको भेज देते हैं। या कहते हैं कि, आपका आवेदन स्वीकृत हो गया है। चिंता मत करिए राशि बैंक खाते में चली जाएगी या चली गई होगी। नहीं तो केवाईसी या डीबीटी करें तभी पता चलेगा राशि आई है या नहीं। खैर अब देखना होगा कि, कब इन महिलाओं को योजना की राशि मिलती है या फिर इन महिलाओं को आगे भी योजनाओं की राशि के लिए ऐसे ही प्रखंड कार्यालय के चक्कर काटने पड़ेंगे।

आजसू की दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडलीय कार्यशाला आज, सुदेश महतो होंगे मुख्य अतिथि

संवाददाता

रांचीः आजसू पार्टी की दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडलीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 3 अप्रैल को रांची रिंग रोड स्थित ट्रेडिशनल बैंक्वेट हॉल, तुरुप में किया गया है।

कार्यशाला में पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो मुख्य अतिथि होंगे। इसके अलावा विधायक निर्मल महतो, मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर, उपाध्यक्ष राजेंद्र मेहता, हसन अंसारी समेत कई केंद्रीय नेता संबोधित करेंगे। इस कार्यशाला पार्टी के संगठन को और अधिक प्रभावी एवं सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। कार्यशाला में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के सभी केंद्रीय पदाधिकारी, जिला एवं प्रखंड प्रभारी, पार्टी जिलाध्यक्ष, महिला जिलाध्यक्ष, युवा जिलाध्यक्ष, जिला परिषद सदस्य, प्रखंड प्रमुख, उप प्रमुख समेत जिला के सभी पदाधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

यह कार्यशाला प्रखंड एवं जिला प्रभारियों को उनके जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। कार्यशाला में पार्टी की संगठनात्मक मजबूती को ध्यान में रखते हुए चर्चा होगी तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए जाएंगे। साथ ही संगठन की रणनीतियों को साझा किया जाएगा।

वक्फ बिल पास होने पर अशरफ खान ने आजसू के सभी पदों से दिया इस्तीफा

रांचीः वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में देर रात पास होने के बाद रांची के आजसू नेता अशरफ खान उर्फ चुन्नू खान ने अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। आज तीन अप्रैल 2025 को उन्होंने एक लेटर जारी किया जिसमें लिखा कि आज मैं अशरफ खान @ चुन्नू खान आजसू पार्टी से अलग होकर पार्टी कि प्राथमिक सदयस्ता, प्रभारी रांची विधानसभा, केंद्रीय सयुक्त सचिव एवं सभी पदों से इस्तीफा दे रहा हूँ। क्योंकि आजसू पार्टी ने लोक सभा में बिल के समर्थन में वोट किया। ऐसे पार्टी में रहने से कोई फायदा नहीं जहां मुसलमानों के खिलाफ काम किया जाता हो। देश के मुस्लिम वक़्फ बोर्ड से जुड़े है। भाजपा के मुस्लिम विरोधी बिल का समर्थन करने वाले पार्टी में हम जैसे लोग नहीं रह सकते। जमीर बेच कर हम पार्टी में नहीं रह सकते। खुद के लोगो के वक़्फ किया हुआ संपतियों को लुटते नहीं देख सकते, इसलिए पार्टी से इस्तीफा दे रहा हूँ।

किता में दिखे जंगली हाथी, दहशत

मुरीः सिल्ली प्रखंड अंतर्गत किता रेलवे लाइन पार करते दो- तीन की संख्या में हाथियों को देखा गया। कदमटाड प्लास डीह,गोडाडीह, अजयगढ में भी हाथियों को देख गया। लोग घरों से बाहर निकल कर हाथियों के भगाने में लग गए। वन विभाग को सूचना दे दी गई है। हताहत होने की सूचना नहीं है।

कंबोडिया से लौटे खिलाड़ियों का रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत

संवाददाता

रांचीः कंबोडिया में आयोजित प्रथम पारा थ्रो बॉल एशिया चैंपियनशिप 2025 में झारखंड ने कांस्य पदक हासिल किया। प्रतियोगिता के दोनों ही वर्ग महिला/ पुरुष में कांस्य पदक जीत कर रांची पहुंची टीम का रेलवे स्टेशन पर ढोल- नगाड़े के साथ भव्य स्वागत किया।

पुरुष वर्ग में मुकेश कंचन(कप्तान) सनोज महतो, मुकेश कुमार महतो, पवन लकड़ा, राजेश कुमार मेहता, और महिला वर्ग में प्रतिमा तिर्की, अनिता तिर्की, महिमा उरांव, संजुक्ता एक्का, पुष्पा मिंज, असुंता टोप्पो, तारामणि लकड़ा शामिल थे।

इनका स्वागत करने में संजू कुमारी, भारत साहू, शिवरानी कुमारी, आर्यन, अनीता देवी, पूर्व जिला परिषद सदस्य मीना देवी, उप मुखिया हूंदुर महेश महतो, श्याम साहू व अन्य शामिल थे।

सरहुल महोत्सव में मंत्री चमरा लिंडा ने कहा-

संस्कृति बचानी है तो मांदर-नगाड़ा पर करें नृत्य, डीजे और आधुनिक गीतों पर नहीं

संवाददाता

रांची : आदिवासी समुदाय द्वारा पारंपरिक उल्लास और श्रद्धा के साथ सरहुल महोत्सव मनाया जा रहा है। इसी सिलसिले में बुधवार को रांची के कांके स्थित मायापुर सरना स्थल में आदिवासी 22 पड़ाहा सरना समिति ओरमांझी ,कांके द्वारा 29वें सरहुल पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री चमरा लिंडा ने शिरकत की। उन्होंने आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को संरक्षित करने पर बल दिया।

इस दौरान मंत्री लिंडा ने कहा कि आदिवासी संस्कृति को संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है। सरहुल महोत्सव में पारंपरिक

मांदर और नगाड़े की धुनों पर नृत्य करना चाहिए, न कि आधुनिक डीजे और फिल्मी गीतों के माध्यम से। उन्होंने कहा कि हमारा मंत्रालय आदिवासी कल्याण के लिए कार्यरत है और हम आदिवासी समाज को शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

आदिवासी समाज के विकास के लिए योजनाएंः मंत्री लिंडा ने आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आदिवासी और ओबीसी समुदाय को आगे बढ़ाने के लिए स्कूल, ट्यूशन सेंटर, कॉलेज और अस्पताल खोले जाएंगे। हरिजन समुदाय के लिए भी शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। छोटानागपुर क्षेत्र में सभी सरना स्थलों की बाउंड्री निर्माण के लिए सरकार कार्य करेगी।

मांदर-नगाड़ा और सरहुल राग के संरक्षण का संकल्पः मंत्री चमरा लिंडा ने बताया कि आदिवासी समाज की पारंपरिक धरोहर को बचाने के लिए सरकार ने 15 करोड़ रुपये के मांदर-नगाड़े वितरित करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि सरहुल पर्व की मूल आत्मा को जीवंत बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

सरना धर्म को मान्यता दिलाने के संघर्ष पर जोर देते हुए मंत्री लिंडा ने कहा कि जब तक हम संघर्ष करते रहेंगे, तब तक हम अपनी संस्कृति को बचाए रख पायेंगे। अगर केंद्र सरकार सरना कोड नहीं देती है, तो हम सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। अगर आवश्यक हुआ तो हम संपूर्ण राज्य को बंद करने के लिए भी तैयार रहेंगे। उन्होंने समाज के सभी लोगों से एकजुट होकर इस आंदोलन को समर्थन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि संघर्ष ही जीवन है। हमें साथ मिलकर लड़ना होगा और अपने अधिकार प्राप्त करने होंगे।

पिठोरिया में सरहुल शोभा यात्रा पर हुए हमले के खिलाफ प्रदर्शन

आदिवासी समाज के लोगों ने बंद कराया बाजार, आगजनी कर सड़क किया जाम

संवाददाता

रांचीः एक अप्रैल को पिठोरिया के हेठबालू गांव में सरहुल पूजा को लेकर निकले शोभा यात्रा पर हुए हमले के खिलाफ लोगों को गुस्सा फुट पड़ा है। केंद्रीय सरना समिति के बैनर तले आदिवासी समाज के लोगों ने पिठोरिया में बाजार को बंद कराया और आगजनी कर सड़क को जाम कर दिया।

पारंपरिक हथियार से लैस होकर ग्रामीण सड़क पर उतरे और हमलावारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सरहुल शोभा यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं पर हुए हमले में पाहन के साथ कई और लोग घायल हो गये थे। इस दौरान महिलाओं के

साथ भी बदसलूकी और मारपीट की गई। बुधवार को हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर थाने में एफआईआर भी दर्ज कराया गया था।सड़क पर प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का कहना है कि जबतक सभी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता उनका प्रदर्शन जारी रहेगा। दरअसल, सरहुल की शोभा यात्रा के दौरान गांव में ही लगाया गया झालर शोभा यात्रा के झंडे से टूट गया था। झालर को एक दिन पूर्व सम्पन्न हुए त्योहार को लेकर दूसरे गुट ने लगाया था। झालर के टूटने से नाराज गुट ने सरहुल का जुलूस निकालने वाले लोगों पर हमला कर दिया।इस दौरान जमकर मारपीट हुई। गांव के ही कुछ प्रबुद्ध लोग आगे आए और मामले को संभाला और मारपीट कर रहीं महिलाओं और पुरुषों को अलग किया। मामले को लेकर ग्रामीणों के द्वारा एक वीडियो भी बनाया गया है, जिसमें एक पक्ष के द्वारा मारपीट किया जा रहा है।

कांग्रेस ने आदिवासियों को केवल वोट बैंक बनाकर रखाः समीर उरांव

रांचीः भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद समीर उरांव ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव कमलेश महतो के बयान पर पलटवार किया है। उरांव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 60 वर्षों तक आदिवासियों को केवल वोट बैंक बनाकर रखा, विकास की कोई चिंता नहीं की।

समीर उरांव ने कहा कि आज नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजाति समाज के सर्वांगीण विकास की योजनाएं धरातल पर उतर रही। इसके पूर्व अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने आदिवासी मंत्रालय बनाए और विकास के रास्ते को प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि पिछले 5 वर्ष से ज्यादा समय से राज्य में कांग्रेस के समर्थन से सरकार चल रही। आखिर क्यों पेसा कानून

लागू नहीं हुआ। वन पट्टा देने के लिए किसने रोका है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की जमीन घुसपैठिए लूट रहे उनकी सुरक्षा करने से किसने रोका है। आदिवासी बहन-बेटियों के साथ रोज अपमानजनक घटनाएं घट रही इसको रोकने में सरकार क्यों दिलचस्पी नहीं दिखाती।

उरांव ने कहा कि यह सरकार 5 वर्षों में महिला आयोग का गठन नहीं कर सकी। आदिवासी गांव में कनेक्टिविटी बड़े इसके लिए टावर लगाने हेतु जमीन उपलब्ध नहीं कराया जा रहा। उरांव ने कहा कि गरीब कल्याण योजना के अनाज बिचौलियों द्वारा लूटे जा रहे सरकार का ध्यान उधर नहीं जा रहा। उन्होंने कहा कि संध्या टोपनो, रूपा तिर्की, रुबिका पहाड़यिा क्या आदिवासी समाज की नहीं थी? कहा कि अभी अगर सिरम टोली सरना स्थल विवाद को ही देखा जाए तो आखिर यह सरकार क्यों मामले को जटिल बना रही जबकि समाज के लोगों ने विवाद आगे नहीं बढ़े इसके लिए जमीन भी दी हैं। उरांव ने कहा कि इससे स्पष्ट है कि इंडी गठबंधन के सरकार की कथनी और करनी में आसमान जमीन का अंतर है। यह सरकार आदिवासी समाज की हितैषी नहीं है।

राज्य में वज्रपात के साथ होगी बारिश 50 किलोमीटर की रफ्तार से चलेगी हवा

संवाददाता

रांचीः राज्य में भीषण गर्मी झेल रहे लोगों को राहत की सांस मिलने वाली है। मौसम विभाग ने राज्य में अगले 2 दिनों तक आंधी, वज्रपात और हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश की संभावना जताई है। वहीं, कुछ जगहों पर ओलावृष्टि की भी आशंका जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक 5 मार्च तक ऐसा ही मौसम देखने को मिलेगा।

आज पूरे राज्य में अच्छी खासी बारिश देखी जायेगी। वही, वज्रपात की बात की बात करें तो कई जिलें जैसे पूर्वी और पश्चिम सिंहभूम, सरायकेला खरसावां, सिमडेगा, रांची, लोहरदगा, रामगढ़ में अच्छी खासी बारिश देखी जाएगी। रांची स्थित मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो आज दक्षिण पश्चिम भाग के कई जिलों में तेज हवा और भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, गुमला, रांची,

रामगढ़, खूंटी, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सराइकेला-खरसावां में वज्रपात और तेज हवा को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है जबकि 4 अप्रैल को लोहरदगा, रांची, रामगढ़, गुमला, खूंटी, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां में वज्रपात और आंधी-तूफान को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो और गिरिडीह में येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान हवा की गति 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार हो सकती है।

राजधानी रांची में पिछले 24 घंटे में अच्छी खासी कर्कश धूप देखी गई। हालांकि, दिन में कुछ देर के लिए आंशिक बादल छाए रहे। बारिश का भी अनुमान था, लेकिन एक बूंद भी बारिश नहीं हुई। अन्य जिलों में भी कुछ ऐसा ही हाल रहा, अनुमान के विपरीत बारिश दर्ज नहीं की गई। वहीं, आज पूरे राज्य में भारी बारिश और वज्रपात का अलर्ट है। बंगाल की खाड़ी में साइक्लोनिक सकुर्लेशन के असर से हवा 50-60 किमी/घंटा की रफ्तार से चलेगी।

काली मंदिर रोड, डोरंडा में पांच दिवसीय मां भवानी की पूजा आज से

संवाददाता

रांचीः श्री चैती दुर्गा पूजा समिति डोरंडा की ओर से चैत नवरात्र के अवसर पर मां भवानी की पूजा का आयोजन काली मंदिर रोड, डोरंडा में किया गया है। यह पूजा पांच दिनों तक चलेगी। यह जानकारी समिति के संस्थापक सदस्य प्रकाश वर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि दिन 11.31 से 12.30 बजे तक कलश स्थापना होगी। वहीं पूजा स्थल पर प्रतिदिन शाम सात बजे से माता की महाआरती और संगीतमय भजनों की प्रस्तुति होगी। सभी अनुष्ठान पुरोहित अजीत पाठक संपन्न करायेंगे। यजमान देवाशीष दत्ता और तान्या दत्ता हैं। आयोजन में महेश विजय, राकेश पाल, प्रमोद चौधरी, मुकेश गुप्ता, अरुण गुप्ता, संजीव विजय, विनय साव, हिमांशु शेखर दास, राजकुमार पाल, दीपक राम, रामबृज साव, डिंपल नाग, लड्डू साव, राजेश सिंह, गोपाल वर्मा, चंदन गुप्ता, मनोज शर्मा, गोपाल सरकार, राजेश वर्मा, गणेश

प्रसाद, विजय वर्मा, कुलवंत सिंह, अरुण सिंह, राजू गुप्ता, दशरथ राम, शीतल राम, पीयूष विजय, प्रशांत शुक्ला, शंकर गुप्ता और मीडिया प्रभारी मनोज वर्मा आदि सहयोग कर रहे हैं।

तीन अप्रैल को षष्ठी पूजाः पूजा प्रांगण में तीन अप्रैल को षष्ठी की पूजा होगी। फिर बेलवरण अनुष्ठान होगा। पूजा परिसर से दोपहर तीन बजे जलयात्रा निकाली जायेगी, जो झंडा चौक और विवेकानंद चौक होते हुए स्थानीय बटम तालाब पहुंचेगी। यहां पूजा के बाद कलशों में जल भरा जायेगा और उसे पूजा पंडाल में स्थापित किया जायेगा। चार अप्रैल को सप्तमीः इस दिन सुबह नौ बजे सप्तमी की पूजा शुरू होगी। नव पत्रिका प्रवेश, बेदी पूजन, मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा, महस्नान, देवी पूजन, आरती, पुष्पांजलि और प्रसाद वितरण होगा। पांच अप्रैल को अष्टमीः अष्टमी की पूजा सुबह नौ बजे शुरू होगी। पूजा के साथ-साथ आरती और पुष्पांजलि की जायेगी। रात 12.05 से 01.00 बजे तक संधि बली पूजा होगी। इसके बाद आरती, पुष्पांजलि और प्रसाद वितरण होगा। छह अप्रैल को नवमीः नवमी की पूजा सुबह नौ बजे शुरू होगी। हवन, आरती, पुष्पांजलि और कन्यापूजन का आयोजन होगा। दोपहर दो बजे से महाभोग भंडारे का आयोजन किया जायेगा।

संसद में बोले किरेन रिजीजू

झारखंड में आदिवासियों की जमीन नहीं खरीद सकेगा वक्फ बोर्ड

रांची/ नई दिल्लीः लोकसभा में वक्फ (संशोधन) बिल पारित हो गया है। लोकसभा में करीब 12 घंटे तक चली बहस के बाद यह पास हुआ है। वक्फ बिल का पूरा नाम वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 और मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक 2024 है। वहीं, इस पर पक्ष और विपक्ष अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

दरअसल, विधेयक में प्रावधान किया गया है कि वक्फ बोर्ड झारखंड में आदिवासियों की जमीन नहीं खरीद सकेगा। इस विधेयक के तहत एक अहम प्रावधान किया गया है, जिसके अनुसार वक्फ बोर्ड अब 'शेड्यूल 5' और 'शेड्यूल 6' की जमीनों पर दावा नहीं कर सकेगा। झारखंड में बड़ी मात्रा में भूमि शेड्यूल 5 के अंतर्गत आती है, जिसका सीधा लाभ वहां के आदिवासी समुदाय को मिलेगा। बिल पारित होने के बाद झारखंड की आदिवासी जमीनों पर वक्फ बोर्ड का कोई कानूनी दावा नहीं रहेगा। केंद्रीय अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में वक्फ बिल पेश करते हुए कहा कि झारखंड में वक्फ बोर्ड की हालत ठीक नहीं है। राज्य गठन के बाद झारखंड में जितनी भी सरकारें बनी, वक्फ बोर्ड को नजरअंदाज किया। इसी का परिणाम है कि राज्य गठन के ठीक बाद झारखंड में सुन्नी वक्फ बोर्ड का गठन होना चाहिए था, लेकिन 8 साल बाद इसका गठन हुआ। 5 साल बाद इसका पुनर्गठन होना चाहिए था, लेकिन 2014 में इसका पुनर्गठन हुआ। 2014 के अंत कल्याण विभाग ने बोर्ड के सदस्यों का मनोनयन कर पुनर्गठन तो कर दिया, लेकिन चेयरमैन के चुनाव को लेकर कोई पहल नहीं की गई। नतीजा 5 साल तक बोर्ड बिना चेयरमैन के चलता रहा।

रीजीजू ने लोकसभा में विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने उन मुद्दों पर लोगों को गुमराह करने की कोशिश की, जो वक्फ विधेयक का हिस्सा नहीं हैं। मंत्री ने कहा कि संसद भवन पर भी वक्फ दावा कर रहा था पर पहले की यूपीए सरकार ने काफी संपत्ति गैर-अधिसूचित करके दिल्ली वक्फ बोर्ड को दे दी थी।

जेयूटी और बिरला मैदान में मना सरहुल महोत्सव

रांचीः झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (जेयूटी) में सरहुल पूजा महोत्सव मनाया गया। खिजरी विधायक राजेश कच्छप विशेष रूप से उपस्थित थे। उन्होंने प्रकृति से जुड़ने तथा धरती माता की रक्षा करने पर जोर दिया। विवि के कुलपति डॉ डीके सिंह ने कहा कि आदिवासी समुदाय प्रकृति के मूल्य को जानता है। इसलिए वह प्रकृति की पूजा करता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए आदिवासी समुदाय की प्रथाओं को तकनीकी सहित सामान्य विवि के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। महोत्सव में विद्यार्थियों और स्थानीय लोगों ने गीत-नृत्य की प्रस्तुति दी।

रातू रोड के बिरला मैदान में सरहुल महोत्सवः रातू रोड स्थित बिरला मैदान में खेलकूद कला संस्कृति रक्षा मंच और सरना समिति ने सरहुल पर कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें सन्नी उरांव, कैलाश तिर्की, सावन लकड़ा, शांति खलखो आदि ने अहम भूमिका निभायी। बच्चों ने सामूहिक डांस किया। बलेश नायक ने गीतझ्रसंगीत की प्रस्तुति दी। शांति खलखो ने पूरे समाज को सरहुल पर्व की शुभकामना दी।

ब्राइट एंजल्स प्ले स्कूल में छात्रों को दी गई भावभीनी विदाई

मेट्रो रेज

रांचीः ब्राइट एंजल्स प्ले स्कूल, लोअर चुटिया में छात्रों के लिए एक भावुक और यादगार विदाई समारोह आयोजित किया गया।

स्कूल के निदेशक सत्य प्रकाश और मीना प्रकाश ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने विद्यार्थियों को नए अवसरों को आत्मविश्वास के साथ अपनाने के लिए प्रेरित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में विद्यालय की उप-प्राचार्या शांति ने विद्यार्थियों और शिक्षकों की मेहनत की सराहना की। उन्होंने बच्चों की उपलब्धियों को याद करते हुए उन्हें आगे भी उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, उन्होंने धन्यवाद ज्ञापन भी दिया और इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

गरीब मुसलमानों व महिलाओं की प्रगति नहीं चाहने वाले कर रहे विधेयक का विरोध : बाबूलाल

संवाददाता

रांचीः झारखंड प्रदेश भाजपा ने वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक का स्वागत किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवंनेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस पार्टी सहित इंडी गठबंधन को कटघरे में खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि यह संशोधन मुस्लिम समाज के गरीबों ,महिलाओं को उनके हक और अधिकार दिलाने का विधेयक है। कहा कि जो पार्टी मुस्लिम समाज, समाज की महिलाओं की प्रगति और विकास नहीं देखना चाहते वे ही इसका विरोध कर रहे।

वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक कहीं से भी असंवैधानिक नहीं : मरांडी ने कहा कि वक्फ बोर्ड को भू-माफियाओं और लुटेरों के चंगुल से मुक्त कराकर गरीब मुसलमानों के हित में इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है, लेकिन कुछ लोग इसे गरीब मुसलमानों के हित में

इस्तेमाल करने की बजाय भू-माफियाओं की कठपुतली बनकर काम कर रहे हैं। यह दुखद है, उन्हें गरीब मुसलमानों की चिंता करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विधेयक कहीं से भी असंवैधानिक नहीं है। आजादी के पहले से वक्फ है और आजादी से पहले भी संशोधन हुआ। अब से पहले तक इस एक्ट में 5 बार संशोधन हो चुके हैं। जब यह तब असंवैधानिक नहीं था, तब यह संशोधन असंवैधानिक कैसे हो गया? आजादी के बाद 1954 में अंग्रेजों के समय से चले आ रहे वक्फ एक्ट को रेगुलेट कर वक्फ एक्ट बनाया गया। इसके बाद साल 1995 में नया वक्फ बोर्ड एक्ट आया।

विधेयक रिफार्म के लिए है, रिवोल्ट के लिए नहींः मरांडी ने कहा कि 2013 में कांग्रेस की यूपीए सरकार ने इसमें गैरकानूनी तरीके से संशोधन कर वक्फ बोर्ड को असीमित अधिकार दे दिया कि वक्फ बोर्ड किसी भी जमीन पर अपना अधिकार जता सकता है। उन्होंने कहा कि वक्फ से जुडी समस्या केवल मुसलमानों की नहीं है बल्कि इससे बड़े पैमाने पर हिंदू, सिख, बौद्ध, इसाई और यहाँ तक कि मुस्लिम भी पीड़ित हैं। कई ऐसे मामले आये हैं जिसमें वक्फ ने मनमाने तरीके से मंदिरों, गुरुद्वारों और यहाँ तक कि पूरे गाँव को ही वक्फ की संपत्ति बता दिया है। मरांडी ने कहा कि यह विधेयक रिफार्म के लिए है, रिवोल्ट के लिए नहीं। यह बिल गरीब मुस्लिमों और महिलाओं के अधिकारों को भी भी सुनिश्चित करेगा। हम इस बिल के माध्यम से पारदर्शिता ला रहे हैं। कहा कि 2013 में कांग्रेस ने लोक सभा चुनाव से ठीक पहले आनन-फानन में 13 सदस्यीय सेलेक्ट कमिटी बना कर वक्फ एक्ट में कई गैरकानूनी संशोधन किये और वक्फ को असीमित अधिकार दे दिए गए जिससे काफी गड़बड़ियाँ पैदा हुई।

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता।

बात बिगड़ेगी

आरएसएस के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले का यह कहना कि स्वयंसेवक अगर मथुरा और काशी से जुड़े आंदोलनों में भाग लेते हैं, तो संगठन को आपत्ति नहीं होगी, संघ के पिछले स्टैंड से उलट है। होसबोले ने हालांकि सामाजिक कलह से बचने की बात कही और यह भी साफ किया कि संघ ऐसे किसी आंदोलन का हिस्सा नहीं बनेगा। लेकिन, उनकी बातें विरोधाभासों से भरी लगती हैं और इससे सामाजिक समरसता बनाने में कोई मदद नहीं मिलेगी। होसबोले ने 1984 का हवाला दिया कि उस समय विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और साधु-संतों ने तीन मंदिरों का मुद्दा उठाया था। अब जब वह कह रहे हैं कि संघ काशी, मथुरा के मंदिरों का मुद्दा उठाने पर आपत्ति नहीं करेगा तो जाहिर है, इसका यह मतलब निकाला जाएगा कि उन्होंने अपने स्वयंसेवकों को इजाजत दे दी है। यह संघ प्रमुख मोहन भागवत के उस रूख से बिल्कुल अलग है, जिसमें उन्होंने कहा था कि हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग तलाशना सही नहीं है, और यह भी कि अब कोई आंदोलन नहीं होगा। असमंजस बढ़ाने वाला भागवत ने पिछले साल दिसंबर में भी मस्जिदों को लेकर उठ रहे विवाद को शांत करने का प्रयास किया था। तब उन्होंने कहा था कि, 'राम मंदिर निर्माण के बाद कुछ लोगों को लगता है कि वे नई जगहों पर इसी तरह के मुद्दों को उठाकर हिंदुओं के नेता बन सकते हैं। यह स्वीकार्य नहीं है। जब संघ प्रमुख ने एक स्पष्ट रेखा खींच दी थी, तय होसबोले का बयान असमंजस बढ़ाने वाला है। संघ कार्यकर्ता क्या समझें, कि उन्हें भागवत की लाइन पकड़नी है या होसबोले की ? राम मंदिर निर्माण के बाद लगा था कि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा खत्म हो जाएगा, लेकिन हर कुछ दिन बाद एक नई जगह विवादों की जद में आ जा रही है और यह सब हो रहा है। Places of Worship Act, 1991 के होते हुए। इसकी वजह इस एक्ट की 2022 में की गई वह अतिरिक्त व्याख्या है, जो सुप्रीम कोर्ट ने की थी। तब शीर्ष अदालत ने कहा था कि किसी पूजास्थल का धार्मिक स्वरूप नहीं बदला जा सकता, लेकिन धार्मिक स्वरूप की जांच करने से कानून नहीं रोकता। कानून की इस अतिरिक्त व्याख्या ने विवादों की बाढ़ ला दी। अब इसी की आड़ में तमाम जगह सर्वे की मांग उठ रही है। ऐसे माहौल में होसबोले के बयान से बात संभलेगी नहीं, बल्कि और बिगड़ जाएगी और इससे यह जरूरत भी जाहिर होती है कि सुप्रीम कोर्ट को वर्शिप एक्ट से जुड़े मामलों का निपटारा जल्द से जल्द कर देना चाहिए।

टकराव की राह पर नेपाल

नेपाल में एक बड़ी आबादी का दो दशक के भीतर ही गणतांत्रिक व्यवस्था से मोहभंग होना बताता है कि इन लोगों की उम्मीदें किस तरह टूट चुकी हैं। वहां राजशाही को वापस लाने की मांग हो रही है। चिंताजनक बात यह है कि गणतंत्र और राजशाही समर्थक आमने-सामने हैं और इसका खामियाजा पूरे देश को हिंसा व अस्थिरता के रूप में भुगतना पड़ रहा है। नेपाल में इस समय विभाजन साफ तौर पर देखा जा सकता है। एक तरफ तमाम लोकतंत्र समर्थक दल हैं और दूसरी तरफ राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (RPP)। 2008 में जब व्यापक जन आंदोलन के बाद संविधान सभा का गठन किया गया और राजा के शासन का अंत हुआ, उसके बाद से राजशाही समर्थक कभी इतने मजबूत और आक्रामक नहीं रहे। बीते शुक्रवार को जिस तरह राजधानी काठमांडू में विरोध-प्रदर्शन हिंसक हो उठा और उसमें जानें गई, वह स्थिति की गंभीरता को दिखाता है। नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र बीर बिक्रम शाह ने हाल के वक्त में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। इसके पहले तक वह सार्वजनिक रूप से बहुत कम दिखा करते थे। लेकिन, 9 मार्च को जब वह पोखरा से काठमांडू पहुंचे, तो उनके स्वागत में हजारों की भीड़ इकट्ठा हो गई। इसके बाद भी वह कुछ मौकों पर जनता के बीच आए और लोगों ने उन्हें सपोर्ट किया। यह सब न तो अनायास लगता है और न ही इसे सामान्य माना जा सकता है। नेपाल की जनता को क्यों फिर से अपने पूर्व राजा में उम्मीद दिखने लगी है? इसका जवाब है राजनीतिक दलों की विफलता। गणतंत्र लागू होने के बाद से यह देश 13 प्रधानमंत्री देख चुका है। किसी ने भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया और गठबंधन की राजनीति ने कभी देश को स्थिरता नहीं दी। नेपाल की जनता का गुस्सा भ्रष्टाचार को लेकर भी है। कोई भी ऐसी पार्टी नहीं रही, जिसे करप्शन के आरोपों का सामना न करना पड़ा हो। इसी दौरान, नेपाल की इकॉनमी लगातार डांवाडोल होती चली गई। वर्ल्ड बैंक की 2024 की रिपोर्ट कहती है कि सरकार का बजट सही तरीके से खर्च नहीं हो पा रहा है, और यह समस्या 2018 से चली आ रही है। टैक्स कम मिल रहा है और विकास कार्यों पर खर्च बहुत धीमा है। वित्तीय वर्ष 24 में सुधार के बावजूद जीडीपी ग्रोथ 3.9 है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि देश लोकतंत्र का रास्ता छोड़ दे।

कृषि क्षेत्र में करवट बदलता भारत

देश में कृषि जोत हेतु पर्याप्त भूमि का अभाव है और देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। जिससे यह किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण पोषण कर पा रहे हैं इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है। इन तरह की समस्याओं के हल हेतु अब केंद्र सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य में, मुद्रा स्फीति को ध्यान में रखकर, वृद्धि करती रहती है, इससे किसानों को अत्यधिक लाभ हो रहा है।

प्रहलाद सबनानी

भारत में लगभग 60 प्रतिशत आबादी आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और अपनी आजीविका के लिए कृषि क्षेत्र पर निर्भर है। जबकि, कृषि क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान केवल 18 प्रतिशत के आस पास बना हुआ है। इस प्रकार, भारत में यदि गरीबी को जड़ मूल से नष्ट करना है तो कृषि के क्षेत्र में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को लागू करना ही होगा। भारत ने हालांकि आर्थिक क्षेत्र में पर्याप्त सफलताएं अर्जित की हैं और भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तथा शीघ्र ही अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही, भारत आज विश्व में सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, इसके आगे की राह अब कठिन है, क्योंकि केवल सेवा क्षेत्र एवं उद्योग क्षेत्र के बल पर और अधिक तेज गति से आगे नहीं बढ़ा जा सकता है और कृषि क्षेत्र में आर्थिक विकास की दर को बढ़ाना होगा।

भारत में हालांकि कृषि क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए गए हैं और भारत आज कृषि के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन गया है। परंतु, अभी भी बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता है। किसानों के पास पूंजी का अभाव रहता था और वे बहुत ऊंची ब्याज दरों पर महाजनों से ऋण लेते थे और उनके जाल में जीवन भर के लिए फंस जाते थे, परंतु, आज इस समस्या को बहुत बड़ी हद तक हल किया जा सका है और किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसान को आसान नियमों के अंतर्गत बैंकों से पर्याप्त ऋण की सुविधा उपलब्ध है और इस सुविधा का लाभ आज देश के करोड़ों किसान उठा रहे हैं। दूसरे, इसी संदर्भ में किसान सम्मान निधि योजना भी किसानों के लिए बहुत लाभकारी सिद्ध हो रही है और इस योजना का लाभ भी करोड़ों किसानों को मिल रहा है। इससे किसानों की कृषि सम्बंधी बुनियादी समस्याओं को दूर करने के सफलता मिली है।

भारतीय कृषि आज भी मानसून पर निर्भर है। देश के ग्रामीण इलाकों में सिंचाई सुविधाओं का अभाव है। इस समस्या को हल करने के उद्देश्य से भारत सरकार प्रति बूंद अधिक फसल की रणनीति पर काम कर रही है एवं सूक्ष्म सिंचाई पर बल दिया जा रहा है ताकि कृषि के क्षेत्र में पानी के उपयोग को कम किया जा सके तथा जल संरक्षण के साथ सिंचाई की लागत भी कम हो सके।

देश में कृषि जोत हेतु पर्याप्त भूमि का अभाव है और देश में सीमांत एवं छोटे किसानों की संख्या करोड़ों की संख्या में हो गई है। जिससे यह किसान किसी तरह अपना और परिवार का भरण पोषण कर पा रहे हैं इनके लिए कृषि लाभ का माध्यम नहीं रह गया है। इन तरह की समस्याओं के हल हेतु अब केंद्र सरकार विभिन्न उत्पादों के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य में, मुद्रा स्फीति को ध्यान में रखकर, वृद्धि करती रहती है, इससे किसानों को अत्यधिक लाभ हो रहा है। भंडारण सुविधाओं (गोदामों एवं कोल्ड स्टोरेज का निर्माण) में पर्याप्त वृद्धि दर्ज हुई है एवं साथ ही परिवहन सुविधाओं में सुधार के चलते किसान कृषि उत्पादों को लाभ की दर पर बेचने में सफल हो रहे है अन्यथा इन सुविधाओं में कमी के चलते किसान अपने कृषि उत्पादों को बाजार में बहुत सस्ते दामों पर बेचने पर मजबूर हुआ करता था। खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना भारी मात्रा में की जा रही है इससे कृषि क्षेत्र में मूल्य संवर्धन को बढ़ावा मिल रहा है एवं कृषि उत्पादों की बबार्दी को रोकने में सफलता मिल रही है।

आज भारत में उच्च गुणवत्ता वाले बीजों के उपयोग पर ध्यान दिया जा रहा है ताकि उर्वरकों के उपयोग की आवश्यकता कम हो एवं कृषि उत्पादकता बढ़े। इस संदर्भ में मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना भी किसानों की मदद कर रही है इससे किसान कृषि भूमि पर मिट्टी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर कृषि उत्पाद कर रहे हैं। राष्ट्रीय कृषि बाजार को स्थापित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि किसान सीधे ही उपभोक्ता को उचित दामों पर अपनी फसल को बेच सके। साथ ही, कृषि फसल बीमा के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में सूखे, अधिक वर्षा, चक्रवात, अतिवृष्टि, अग्नि आदि जैसी प्रकृतिक आपदाओं के चलते प्रभावित हुई फसल के नुक्सान से किसानों को बचाया जा सके। आज करोड़ों की संख्या में किसान फसल बीमा योजना का लाभ उठा रहे हैं।

देश में खेती किसानी का काम पूरे वर्ष भर तो रहता नहीं है अतः किसानों के लिए अतिरिक्त आय के साधन निर्मित करने के उद्देश्य से डेयरी, पशुपालन, मधु मक्खी पालन, पोल्ट्री, मत्स्य पालन आदि कृषि सहायक क्षेत्रों पर भी ध्यान दिया जा रहा है, ताकि किसानों को अतिरिक्त आय की सुविधा मिल सके। विश्व के विभिन्न देशों ने अपनी आर्थिक प्रगति के प्रारम्भिक चरण में कृषि क्षेत्र का ही सहारा लिया है। औद्योगिक क्रांति तो बहुत बाद में आती है इसके पूर्व कृषि क्षेत्र को विकसित अवस्था में पहुंचाना होता है। भारत में भी आज कृषि क्षेत्र, देश की अर्थव्यवस्था का आधार है, जो न केवल खाद्य सुरक्षा प्रदान करता है बल्कि करोड़ों नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर भी निर्मित करता है। साथ ही, औद्योगिक इकाईयों के लिए कच्चा माल भी उपलब्ध कराता है। वैश्विक स्तर पर कृषि क्षेत्र की महत्ता आगे आने वाले समय में भी इसी प्रकार बनी रहेगी क्योंकि इस क्षेत्र से पूरी दुनिया के नागरिकों के लिए भोजन, उद्योग के लिए कच्चा माल एवं रोजगार के अवसर कृषि क्षेत्र से ही निकलते रहेंगे। हां, कृषि क्षेत्र में आज हो रही प्रौद्योगिकी में प्रगति के चलते किसानों को कम भूमि पर, मशीनों का उपयोग करते हुए, कम पानी की आवश्यकता के साथ भी अधिक उत्पादन करना सम्भव हो रहा है। इससे उत्पादन क्षमता में वृद्धि के साथ कृषि उत्पाद की लागत कम हो रही है और किसानों के लिए खेती एक उद्योग के रूप में पनपता हुआ दिखाई दे रहा है और अब यह लाभ का व्यवसाय बनता हुआ दिखाई देने लगा है।

केला, आम, अमरूद, पपीता, नींबू जैसे कई ताजे फलों एवं चना, भिंडी जैसी सब्जियों, मिर्च, अदरक जैसे प्रमुख मसालों, जूट जैसी रेशेदार फसलों, बाजरा एवं अरंडी के बीज जैसे प्रमुख खाद्य पदार्थों एवं दूध के उत्पादन में भारत पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। दुनिया के प्रमुख खाद्य पदार्थों यथा गेहूं एवं चावल का भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। भारत वर्तमान में कई सूखे मेवे, कृषि आधारित कपड़े, कच्चे माल, जड़ और कांड फसलों, दालों, मछली पालन, अंडे, नारियल, गन्ना एवं कई सब्जियों का पूरे विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान भारत 80 प्रतिशत से अधिक कृषि उपज फसलों (काफी एवं कपास जैसी नकदी फसलों सहित) के साथ दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया था। साथ ही, भारत सबसे तेज विकास दर के साथ पशुधन एवं मुर्गी मांस के क्षेत्र में दुनिया के पांच सबसे बड़े उत्पादक देशों में शामिल हो गया है। कुल मिलाकर भारतीय अर्थव्यवस्था में किसी भी दृष्टि से कृषि क्षेत्र के योगदान को कमतर नहीं आंका जा सकता है क्योंकि उद्योग एवं सेवा क्षेत्र का विकास भी कृषि क्षेत्र के विकास पर ही निर्भर करता है। अधिकतम उपभोक्ता तो आज भी ग्रामीण इलाकों में ही निवास कर रहे हैं एवं उद्योग क्षेत्र में निर्मित उत्पादों की मांग भी ग्रामीण इलाकों से ही निकल रही है। अतः देश में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देना ही होगा।

तमिलनाडु में हिंदी विरोध का सच

संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की छूट नहीं है। संविधानसभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका जताई गई थी। इसी वजह से मजबूत केंद्र की अवधारणा की मांग स्वीकार की गई। इसके बावजूद आए दिन कुछ न कुछ राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रूख और राह अख्तियार करने की कोशिश करते रहते हैं।

उमेश चतुर्वेदी

तमिलनाडु के बजट से रूपए के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिलभाषा वाले प्रतीक के इस्तेमाल पर हंगामा स्वाभाविक है। दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति की सोच राष्ट्रीय सहमति से अलग रही है। लिट्टे के खिलाफ जहां देशव्यापी गुस्सा रहा, वहीं डीएमके की राजनीति उसके प्रति राग से भरी रही। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है।

सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य हैं। पहला मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भविष्य के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करने की भी कोशिश भी रहती है। तमिलनाडु सरकार के उद्वेलित करने वाले हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के लिए बेहतर खाद रहे हैं, इसलिए एक बार फिर स्टालिन को इनसे उम्मीद नजर आ रही है।

संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की छूट नहीं है। संविधानसभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका जताई गई थी। इसी वजह से मजबूत केंद्र की अवधारणा की मांग स्वीकार की गई। इसके बावजूद आए दिन कुछ न कुछ राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रूख और राह अख्तियार करने की कोशिश करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में वह पश्चिम बंगाल भी जुड़ गया है, जहां से राष्ट्रवाद की विचारधारा को बल मिला था। तमिलनाडु तो खैर अरसे से ही कई मुद्दों पर अलग रूख अख्तियार करता रहा है। ऐसा करते वक्त तमिल राजनीति इस तथ्य की अनदेखी करती रही है कि संविधान और राष्ट्र की प्राचीन अवधारणा के लिहाज से तमिल धरती पूरी तरह भारतीय है।

हिंदी विरोध की सोच तमिलनाडु में 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुई। तब भी यह विचार, राष्ट्रीय युगबोध से अलग था। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरूआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा। अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत के तीखे विरोध तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत को लेकर कांग्रेसी बौद्धिकों ने नैरेटिव गढ़ा था। जिसके हिसाब से गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव ने एक तरह से उत्तर और दक्षिण के विभाजन की रेखा को खींचने की कोशिश की। इसी का विस्तार लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में भी दिख सकता है।

राष्ट्रीय सहमति और सोच से उलट सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर ने सरकार ने तब करूणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजह से बर्खास्त कर दिया था। कांग्रेस करीब दो दशक से डीएमके की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार वह भी डीएमके की ऐसी ही सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रूपए के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रूख पर कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। ऐसा लगता है कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की स्थिति सांप और छछूंदर जैसी हो गई है। अगर वह डीएमके का विरोध करती है तो उसे अपने स्थानीय समर्थकों के छिटकने का डर है और यदि समर्थन करती है तो उत्तर भारत में उसकी उम्मीदें बिखर सकती हैं। लेकिन बीजेपी ने आक्रामक रूख अपना रखा है। रूपए का हिंदी प्रतीक बदलने का सबसे तेज विरोध तमिल मूल की निर्मला सीतारमण और तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष अन्नामलाई कर रहे हैं। उनका साथ उनकी पूर्ववर्ती तमिलसाई सौंदयार्राजन दे रही हैं। बीजेपी की कोशिश है, स्टालिन के हिंदी विरोध की हवा तमिल सोच के जरिए निकालने की है। इसका आधार जोहो कंपनी प्रमुख श्रीधर वेंबु हिंदी समर्थन में बयान देकर मुहैया करा चुके हैं।

अगले साल अप्रैल-मई में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के चुनाव में एक दशक के अन्नाद्रमुक राज के बाद डीएमके को सत्ता मिली थी। इसे बचाए रखने की जुगत में स्टालिन जुट गये हैं। उत्तर और हिंदी विरोधी माहौल जिंदा करना और स्थानीय भावनाओं को उभारना तमिलनाडु में सबसे आसान रहा है। त्रिभाषा फॉमूर्ले में स्टालिन को हिंदी विरोध की आसान राह सूझी और वे मैदान में कूद पड़े। लोकसभा सीटों के परिसीमन में जनसंख्या के लिहाज से सीटें कम होने का डर वह पहले से दिखा रहे हैं। रूपए का प्रतीक बदलना उनका अगला कदम है। 1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बनने वाली थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई में हुए तीव्र हिंदी विरोधी आंदोलन को भी समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके असर में दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर ही है। हालांकि इस बार हिंदी विरोध, परिसीमन का डर या रूपए के प्रतीक बदलने को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। संचार क्रांति के जरिए उसे भी पता है कि स्टालिन द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों की खामी-खासियत क्या है? तमिल समुदाय के एक हिस्से भी समझ आने लगा है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है। अब तमिलनाडु में भी लोग मिलने लगे हैं, जिन्हें हिंदी विरोध राजनीतिक शिगूफा नजर आता है। स्टालिन जिस तरह तेजी से एक के बाद एक मुद्दे उछाल रहे हैं, उससे उन्हें और उनके सलाहकारों को लगता है कि हिंदी विरोध हो या परिसीमन की मुखालफत को बड़ा और गहरा समर्थन नहीं मिल रहा है। इन मुद्दों को लगातार उछालने की एक वजह यह भी है, ताकि वह विधानसभा चुनावों तक जिंदा रहे।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं।

यमुना छठ पर स्नान-दान करने से यम और शनि के भय से मिलती है मुक्ति

हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को यमुना छठ का व्रत किया जा रहा है। इसको यमुना जयंती के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व यमुना नदी के पृथ्वी पर आगमन का प्रतीक है। हिंदू धर्म में यमुना को एक पवित्र नदी माना जाता है। इस बार यमुना छठ का पर्व 03 अप्रैल 2025 को मनाया जा रहा है। इस दिन यमुना नदी में स्नान करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है। इस दिन यमुना नदी के साथ भगवान श्रीकृष्ण की पूजा की जाती है। यमुना छठ का व्रत करने से व्यक्ति को यम और शनि के भय से मुक्ति मिलती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको यमुना छठ की तिथि, मुहूर्त और पूजन विधि के बारे में बताने जा रहे हैं।

तिथि और मुहूर्त : चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि की शुरूआत 02 अप्रैल 2025 की रात 11:49 मिनट पर हुई और इसका समापन 02 अप्रैल की रात 09:41 मिनट पर होगा। ऐसे में उदयातिथि के हिसाब से 03 अप्रैल 2025 को यमुना छठ का व्रत किया जा रहा है।

हिंदू पंचांग के मुताबिक इस दिन स्नान के लिए सुबह 04:38 मिनट से 05:47 मिनट तक का समय शुभ माना गया है। इसके अलावा आप विजय, अभिजीत और गोधूलि मुहूर्त में भी स्नान-दान कर सकते हैं।

पूजा विधि : यमुना छठ के दिन सुबह जल्दी उठकर यमुना नदी में स्नान करें और फिर भगवान श्रीकृष्ण और यमुना नदी की पूजा करते हैं। पूजा में फल, फूल और मिठाई आदि अर्पित की जाती है। इस दिन यमुना अष्टक का पाठ करें और फिर आरती करें। इस दिन दान-पुण्य करना बहुत शुभ माना जाता है। लोग यमुना छठ का व्रत करते हैं।

महत्व : विशेष रूप से यमुना छठ का पर्व उत्तर भारत, खासकर उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में मनाया जाता है। यह पर्व मां यमुना नदी की पूजा के लिए समर्पित है। इस पर्व को धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से काफी अहम माना जाता है। दरअसल, यमुना नदी का भगवान श्रीकृष्ण से गहरा संबंध है। श्रीकृष्ण ने यमुना नदी के तट पर कई लीलाएं की थीं। इसलिए इस दिन यमुना छठ के दिन भगवान श्रीकृष्ण की भी पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि यमुना छठ पर यमुना नदी में स्नान करने से यम और शनि के भय से मुक्ति मिलती है। इससे आत्मा शुद्ध होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

सेहत

कुछ बीमारियों में घातक हो सकता है खजूर का सेवन

अक्सर हम सभी अपनी डाइट में कुछ ड्राई फ्रूट्स को शामिल करते हैं। सही मात्रा में और सही तरीके से ड्राई फ्रूट्स को अपनी डाइट में शामिल करने से सेहत संबंधी कई समस्याएं दूर हो सकती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जहां खजूर खाने से ओवरऑल हेल्थ को काफी हद तक सुधारा जा सकता है। तो वहीं कुछ लोगों की सेहत पर खजूर खाने से नेगेटिव असर भी पड़ सकता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस ड्राई फ्रूट्स के कुछ साइड इफेक्ट्स के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी जानेंगे कि किन लोगों को खजूर का सेवन करने से बचना चाहिए।

किडनी स्टोन के मरीज : किडनी के मरीजों को भी बिना डॉक्टर की सलाह पर खजूर को अपने डाइट प्लान का हिस्सा नहीं बनाना चाहिए। वहीं खजूर का अधिक मात्रा में सेवन करने से आपका वेट बढ़ सकता है। इसलिए अगर आप वेट लॉस करना चाहते हैं, तो आपको खजूर का सेवन करने से बचना चाहिए।

डायरिया के मरीज : अगर आप डायरिया की समस्या से परेशान हैं, तो आपको खजूर खाने से बचना चाहिए। दरअसल, खजूर में पाए जाने वाले तत्व डायरिया की समस्या को बढ़ा सकते हैं। वहीं खजूर का अधिक मात्रा में सेवन करने से कब्ज की समस्या बढ़ सकती है।

प्रेग्नेंट महिलाएं : प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को अपने खानपान का खास ख्याल रखने की सलाह दी जाती है। लेकिन प्रेग्नेंट महिलाओं को खजूर का ज्यादा सेवन नहीं करना चाहिए। प्रेग्नेंसी में बिना डॉक्टर की सलाह के खजूर का सेवन करने से बचना चाहिए।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची, (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज ब्रीफ

दो साल से पैसा बाकी पैसा मांगने पर दोनों युवक ने किया मारपीट

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के रसूलपुर दहला निवासी शंकर राम को पैसे के लेन देन में दो युवकों ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल शंकर अपनी शिकायत के लिए नगर थाना पहुंचा। जहां नगर पुलिस ने इलाज के लिए सदर अस्पताल भेज दिया । घायल शंकर राम ने बताया कि मैं आचार बेचने का काम करता हूँ। रसूलपुर दहला में ही एक घर में आचार दिया था। वहां दो साल से पैसा बाकी था। पैसा मांगने पर दो युवक ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

वन विभाग की बड़ी कार्रवाई दस पीस सखुआ बोटा समेत ट्रैक्टर जब्त

साहिबगंज : वन विभाग ने अवैध लकड़ी कटाई के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए आमजोड़ी सागवान बागान के नजदीक से वन विभाग की टीम ने दस पीस सखुआ बोटा और एक नीले रंग की स्वराज ट्रैक्टर जब्त किया। वन विभाग को जानकारी मिली थी कि आमजोड़ी सागवान बागान क्षेत्र में अवैध रूप से लकड़ी काटी जा रही है। गश्ती के दौरान संदिग्ध गतिविधियां नजर आने पर वन विभाग की टीम ने मौके पर दबिश दी और दस पीस सखुआ बोटा के साथ एक स्वराज ट्रैक्टर बरामद किया। वही वन विभाग कर्मचारी ने जानकारी देते हुए बताया की गश्ती दल को देखकर अन्य लकड़ी तस्कर स्थल से फरार हो गए। इसी क्रम में लकड़ी तस्करों के सहयोगी एक मजदूर को पकड़ लिया गया है।जिससे मामले की पूरी जानकारी ली जा रही है। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार इस मामले की विस्तृत जांच जारी है। और अवैध कटाई में शामिल दोषियों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। इस अभियान में वनपाल राणा रणजीत के नेतृत्व में वनरक्षी सनी रजक अंकित झा समेत अन्य वनकर्मी मौजूद थे।

नल खराब होने से ग्रामीण परेशान

साहिबगंजः बोरियों प्रखंड क्षेत्र के मोती पहाड़ी स्थित चापानला कई महीनो से खराब स्थिति में पड़ा हुआ है। जिस कारण ग्रामीणों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस संदर्भ में ग्रामीणों ने बताया कि यह चापानल बार-बार खराब हो जाता है। इस चिलचिलाती धूप में परेशानी होती है।ग्रामीणों की मांग है। कि पेयजल विभाग छापनल को अच्छी तरह से मरम्मत करें। जिससे लोगों को स्वच्छ पेयजल जल मिल सके।

खरना में छठव्रती पूरे दिन निर्जल उपवास में रही, आज पहला अर्ध्य

साहिबगंजः लोक आस्था नेम निष्ठा सूर्य उपासना का महापर्व चैत्र मास के छठ पूजा के दूसरे दिन बुधवार को छठवर्ती पूरे दिन निर्जला उपवास में रही छठवर्ती स्थानीय मुक्तेश्वर बिजली घाट, सीधी गंगा घाट ,शकुंतला सहाय गंगा घाट, पुरानी साहिबगंज गंगा घाट ,कबूतर कॉफी गंगा घाट, चंदन गंगा घाट सहित राजमहल के सूर्य देव घाट, गोधरा घाट, बजरंग घाट ,रामघाट ,सत्संग घाट अन्य जगह के गंगा घाट पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाई। वही शाम में मिट्टी के चूल्हा में आम की सूखी लकड़ी से दूध चावल और गुड़ की खीर व सुहाडी रोटी प्रसाद बनाकर केला के पत्ता में और मिट्टी के बर्तन पर चढ़कर छठ मैया की विधिवत रूप से पूजा अर्चना की पूजा के बाद छठ वृतियों ने खरना का प्रसाद को अपने परिवार व सगे संबंधी के साथ ग्रहण किया। करना के प्रसाद खाने के बाद से छठ वृतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हुआ चैत्र मास के छठ पूजा के तीसरे दिन गुरुवार की संध्या पहले अर्ध्य सूर्य को अर्पण करेंगे। वहीं दूसरी ओर जिला प्रशासन की ओर से सभी तैयारीयां पुरी कर ली गई है।

रामनवमी को लेकर उप राजधानी में विशेष सतर्कता

दुमका : झारखंड की उपराजधानी दुमका में इस वर्ष रामनवमी पर सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है. जिले के एसपी पीतांबर सिंह खेरवार खुद व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं.

हालांकि दुमका को शांतिपूर्ण जिला माना जाता है, लेकिन झारखंड के हजारीबाग जिले में पिछले दिनों रामनवमी के मंगला जुलूस में हुए बवाल के बाद पुलिस मुख्यालय स्तर से सभी जिलों को रामनवमी पर विशेष अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश जारी किया गया है.

बैठक में पुलिस-प्रशासन की ओर से साफ तौर पर कहा गया कि आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ रामनवमी मनाएं. किसी तरह की अव्यवस्था फैलाने की कोशिश न करें. जिस रास्ते से रामनवमी जुलूस गुजरेगा, अगर वह दूसरे धर्म के लोगों का पूजा स्थल है, तो ऐसा कुछ न करें, जिससे दो समुदायों के बीच तनाव पैदा हो.

साथ ही डीजे पर कोई भड़काऊ गाना न बजाएं. अन्यथा रामनवमी समिति से जुड़े लोगों पर कार्रवाई की जाएगी. यहां तक प्रशासन ने डीजे मशीन किराए पर देने वालों को भी हिदायत दी है कि अगर आप रामनवमी पर अपना सिस्टम किराए पर देंगे तो उसे जब्त कर लिया जाएगा. साथ ही एसपी ने डीएसपी, इंस्पेक्टर और सभी थाना प्रभारियों के साथ बैठक भी की है.

दुमका एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने कहा कि रामनवमी को लेकर पुलिस अलर्ट मोड पर है. रामनवमी जुलूस के रूट पर पुलिस के साथ मजिस्ट्रेट की भी प्रतिनियुक्ति की जा रही है. उन्होंने यह भी कहा कि सोशल मीडिया पर भी विशेष नजर रखी जाएगी. अगर कोई भी रामनवमी पर भड़काऊ पोस्ट करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

नाबालिग से दुष्कर्म कर पत्थर से कूचकर हत्या

पलामूः मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र में 10 वर्षीय नाबालिग से दुष्कर्म कर पत्थर से कूचकर हत्या कर दी गई. नाबालिग का शव आरोपी के घर से बरामद किया गया. घटना के बाद लोगों ने आरोपी की पिटाई कर दी. घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी. घटना के बाद मोहल्ले के आक्रोशित लोग हंगामा कर रहे हैं और वरीय पुलिस अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग कर रहे हैं. सदर एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच कर रही है.

लकड़ी मील में लगी भीषण आग लाखों की लकड़ी जल कर राख

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : जिले के राजमहल-मंगलहाट मुख्य पथ पर वार्ड नंबर दो के महाजन टोली स्थित गौतम लकड़ी मील में गुरुवार की सुबह भीषण आग लग गई।आग लगने के कारण आस-पास अफरा-तफरी मच गया।स्थानीय लोगो ने मामले की सूचना अग्निशमन विभाग को दी।जानकारी के अनुसार लकड़ी मील में लकड़ी अधिक होने से आग की लपटे काफी दूर तक दुर उठ रही थी।देखते ही देखते आस पास के ग्रामीणों का भीड़ घटनास्थल पर उमड़ पड़ी।आस पास के लोगो ने आग मे पानी डालकर आग को बुझाने के प्रयास मे जुट गये।वहीं घटना की सूचना मिलने ही नगर पंचायत से पानी टंकी व दमकल गाड़ी घटना स्थल पर पहुंचे।दमकल कर्मियों ने कड़ी

मेहनत कर आग पर काबू पाया।लेकिन आग लगने की घटना मे लकड़ी मील मे रखा इतना लकड़ी जल कर राख हो गया। जबकि आग पर काबू कर लिया गया है वहीं दूसरी ओर समाचार लिखे जाने तक प्रक्रिया जारी थी।

दामाद ने अपने ससुर के सीने में खंजर मारा कर मौत के घाट उतारा

साहिबगंज : जिरवाबाडी थाना क्षेत्र अंतर्गत अंजुमन नगर में बीते रात घरेलू विवाद में दामाद ने ससुर को सीने में चाकू मार कर मौत के घाट उतार दिया बताया जा रहा है कि अंजुमन नगर निवासी वृद्ध मोहम्मद असलम की पुत्री की शादी दो साल पूर्व जमालपुर में हुई थी।और किसी बात को लेकर ससुर को दामाद में अनबन चल रहा था।बीते रात मोहम्मद अब्दुल अपने ससुराल अंजुमन नगर जमालपुर से पहुंचा मोहम्मद असलम ने अपने ससुर से बेटी के विदाई की बात कहि इस पर ससुर ने ना ले जाने की बात कही इस बात पर गुस्से में आकर मोहम्मद अब्दुल ने अपने ससुर के सीने में खंजर मारा कर मौत के घाट उतार दिया.मोहम्मद असलम की पुत्री जूही खातून ने बताया की बीते रात हमारे पिता बाथरूम गया हुआ था और बाथरूम से निकलने के बाद मच्छर भगाने के लिए अगरबत्ती जला रहा था।

बिलाल की मौत के बाद पूरे गांव में मातम पसरा

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाडी थाना क्षेत्र के मंडल कारा में हुए मंगलवार की सुबह दो बाइक की टक्कर में तीन लोग जख्मी हो गए थे। जिसमें कारणपुरा निवासी 22 वर्ष मो. बिवाल अंसारी को इलाज के लिए भागलपुर मायागंज ले जाने के दौरान मंगलवार को ही मौत हो गई।जबकि बुधवार कि शाम तक भागलपुर मायागंज में भर्ती मो. राज का इलाज किया जा रहा था । बिलाल की मौत के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया। वहीं बुधवार की सुबह मृतक बिवाल अंसारी के शव को स्वजन एवं ग्रामीण जिरवाबाडी थाना पहुंचे।जहां थाना में मामले दर्ज हुए पर सवाल खड़ा करते हुए हंगामा किया। जबकी पुलिस बाइट दुर्घटना मामले में मंगलवार को ही दोनों बाइक सवार लोगों के बीच हुई टक्कर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कर लिया था।जिरवाबाडी पुलिस ने स्वजन व ग्रामीणों को समझने बुझाने के बाद शव को पोस्टमार्टम करने के लिए सदर अस्पताल भेज दिया जहां डाक्टर ने शव का पोस्टमार्टम किया। इधर इस घटना को लेकर तालझारी थाना क्षेत्र के करणपुरा निवासी राजा अंसारी ने सूर्य नर्सिंग होम के संचालक डा विजय इलाज के नाम पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए जिरवाबाडी थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। जिस आवेदन में राजा ने बताया की मैं और मेरा साथी मो. बिलाल एवं सकरीगली निवासी मोहम्मद राजा 15 वर्ष सुबह सात से आठ बजे के बीच में मंगलवार को सदर अस्पताल जा रहा था। इसी दौरान मंडल कारा के निकट अचानक गलत दिशा से मोटरसाइकिल आ जाने से हमारा मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर एक दूसरे में टकरा गया जिससे सभी रोड पर गिर गए। इसी दौरान बिल्ला को गंभीर चोट लगी । जिसके बाद हम लोग इलाज के लिए सूर्य नर्सिंग होम अस्पताल पहुंचे।जहां डाक्टर ने बताया कि बेहद गंभीर हालत है जल्दी प्राथमिक उपचार करना होगा। तब हम लोगों ने प्राथमिक उपचार करने की गुहार लगाई। तो उन्होंने कहा की पहले काउंटर पर पैसा जमा कराए इसके बाद इलाज होगा ।कुछ पैसे कम पड़ जाने के कारण मरीज को भर्ती नहीं किया गया और उन लोगों ने अब्शब्द कहकर हम लोगों को निकाल दिया। फिर हम लोगों ने एंबुलेंस के माध्यम से इलाज के लिए रवाना हुए जहां रास्ते में है उसकी मौत हो गई।

आपत्तिजनक वस्तुएं अंदर लेकर प्रवेश नहीं करें : एलीसिटेस

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/मंडरो : प्रखंड के फोसिल्स पार्क में थाना प्रभारी रुपेश कुमार व वन रक्षी फेलिसिटस हांसदा ने पार्क के मुख्य द्वार पर तैनात गृहरक्षा वाहिनी व ग्रामीण पुलिसकर्मी कर्मी को आवश्यक निर्देश दिया गया है। कि कोई भी सैलानी पार्क में भ्रमण करने आते हैं। उनका वस्त्र,बैग, थैला की तलाशी लेकर ही अन्दर प्रवेश कराया जाए ताकि कोई भीआपत्तिजनक वस्तुएं अन्दर लेकर प्रवेश नहीं कर सके साथ ही वाहनों को सिस्टेमेटिक तरीके से पार्किंग कराया जाए।पार्क के मुख्य द्वार अधिक भीड़ भाड़ नहीं लगने दें,टुरिस्ट को कतारबद्ध कर ही प्रवेश कराया जाए। बुधवार को भी भीड़ उमड़ पड़ी थी।इस संबंध वनरक्षी फेलिसिटस हांसदा ने बताई की अभी भीड़ चलेगा इसके लिए कर्मी तैनात हैं। इसकी

देखभाल अच्छी से की जारही है।हमेशा जांच कर ही पार्क में प्रवेश कर भ्रमण कराया जाता है। पार्क में कर्मी भ्रमण करने वाले पर निगाह रखा जा रहा है।बताते चलें कि ईद के अवसर पर रैयती क्षेत्र में आग लग गई थी जिससे पार्क में भी आग पकड़ लिया था।इसके पूर्व में पार्क में प्रवेश की टिकट जांच किया जाता था।पर आग लगने से हरकत में आए वनकर्मी गहन जांच में जुट गये है। जांच के दौरान वनरक्षी एलीसिटेस हांसदा, अशोक मोहली, परवेज अंसारी,जाफीर अंसारी,समीम खान, नागेश्वर राय सहित दर्जनों वन कर्मी उपस्थित थे।

आरपी सिन्हा अस्पताल के सामने दो गुटों में विवाद के बाद फायरिंग

पलामू : पलामू के मेदिनीनगर ाहर थाना क्षेत्र के नवाटोली स्थित डॉ. आरपी सिन्हा अस्पताल के सामने बुधवार की देर शाम दो गुटों में विवाद के बाद फायरिंग हुई. घटना के समय एक दुकान पर चार युवक और एक युवती मौजूद थे. इसी दौरान दूसरे पक्ष के कुछ युवक चाकू लेकर वहां पहुंचे और दोनों पक्षों में किसी बात पर विवाद बढ़ गया. पहले से मौजूद युवकों में से एक ने पिस्टल निकालकर फायरिंग कर दी. हालांकि कि किसी को गोली नहीं लगी. फायरिंग के बाद कुछ युवक वहां से फरार हो गए. इधर सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और तीन युवकों को हिरासत में ले लिया. हिरासत में लिए गए सभी युवक पहाड़ी मोहल्ला के रहने वाले हैं. शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर देवव्रत पोद्दार ने बताया कि फायरिंग करने वाले युवक की पहचान कर ली गई है.

त्रिकुट पहाड़ रोपवे बंद होने से इंसान ही नहीं बंदर भी परेशान, भूख प्यास से हो रहे बेहाल

मेट्रो रेज संवाददाता

देवघरः जिले का त्रिकुट पहाड़ दार्शनिक स्थल में शुमार है. प्रतिदिन इस पहाड़ पर हजारों सैलानी घूमने आते थे. त्रिकुट पहाड़ पर तीन चोटिया हैं. जिसे ब्रह्मा विष्णु और महेश के नाम से जानी जाती है. त्रिकुट पहाड़ पर आने वाले सैलानियों के लिए यहां पर रहने वाले बंदर भी आकर्षण का केंद्र है. लेकिन त्रिकुट पहाड़ पर सरकार की उदासीन रवैये के कारण पहाड़ पर आकर्षण का केंद्र बने बंदर भी यहां से भाग रहे हैं.

स्थानीय लोगों ने बताया कि रोप वे बंद होने के बाद जो बंदर पहाड़ के ऊपर में रहते थे वो सभी बंदर पलायन कर रहे हैं. लोगों का कहना है कि रोप वे जब संचालित हुआ करता था तो उस वक्त ऊपर जाने वाले सैलानी पहाड़ पर रहने वाले बंदरों के बीच भोजन का वितरण किया करते थे. लेकिन

अब पहाड़ पर सैलानियों का आना जाना बंद हो गया है.

सैलानियों के पहाड़ के ऊपर नहीं जाने से वहां रहने वाले बंदरों को खाने-पीने नहीं मिल पा रहा है. जिससे बंदर पहाड़ के ऊपर से दूसरी जगहों पर जा रहे हैं. पहाड़ पर गाइड का काम कर रहे जयदीप कुमार ने बताया कि पहाड़ के ऊपर रहने वाले बंदर अब यहां से जा चुके हैं. जो बंदर पहाड़ पर रहते थे वो बंदर अब गांव में किसानों की फसलों को नुकसान कर रहे हैं.

गौरतलब है कि त्रिकुट पहाड़ को लेकर यह मान्यता है कि यहां पर भगवान बजरंगबली की मंदिर स्थापित है. लेकिन रोप वे के बंद होने से अब यहां लोग नहीं आ रहे हैं. स्थानीय लोगों ने अपील की है कि जल्द से जल्द रोप वे व्यवस्था की शुरूआत की जाए, ताकि यहां लोग फिर से आएं और यह जगह गुलजार हो.

रामनवमी पूजा महासमिति का पुनर्गठन पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम बने मुख्य संरक्षक

मेट्रो रेज संवाददाता

लातेहार : लातेहार में रामनवमी की तैयारी जोरों पर है. श्री रामनवमी पूजा महासमिति मुख्य अखाड़ा के पदधारियों की घोषणा कर दी गयी है. गत दिनों हुई बैठक में महासमिति का अध्यक्ष प्रभात कुमार को बनाया गया था. प्रभात कुमार ने महासमिति के शेष पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की है. महासमिति का मुख्य संरक्षक पूर्व मंत्री बैद्यनाथ राम को बनाया गया है. जबकि महामंत्री राजन तिवारी, कोषाध्?यक्ष रंजीत साहु, सह कोषाध्यक्ष चंदन अग्रवाल और मीडिया प्रभारी विशाल कुमार को बनाया गया है. संरक्षक मंडली में प्रमोद प्रसाद सिंह, सुशील अग्रवाल, जय कुमार सिंह, राजधानी प्रसाद यादव, सरयु प्रसाद सिंह, अरुण दुबे, महेन्द्र गुप्ता, राजमणि प्रसाद, प्रदीप पाण्डेय, प्रमोद पाण्डेय, नरेश पाठक,अभिनंदन प्रसाद, रामहरि प्रसाद, पंकज सिंह, विशाल भास्कर, राकेश दुबे,राजीव रंजन पाण्डेय, विनोद साहु, शशिभूषण पाण्डेय, उपेन्द्र पाण्डेय, प्रकाश सिंह, राजू प्रसाद, लक्ष्मी प्रसाद, मोहर सिंह यादव, लक्ष्मण यादव, चामू साहु, महेन्द्र प्रसाद, सुरेन्द्र प्रसाद सिंह, गजेंद्र शौंडिक, संतोष पासवान, अनिल सिंह, हरिशंकर यादव, पंकज तिवारी, सुरेन्द्र शौंडिक, विनोद उरांव, सुदामा प्रसाद, आशीष टैगोर, दीपक विश्वकर्मा और राकेश साहू को शामिल किया गया है. वहीं, उपाध्यक्ष रितेश कुमार निक्कू, अमित पाण्डेय, रघुवीर यादव, रविन्द्र प्रजापति,आनन्द सिंह, उज्जवल पाण्डेय, कौशल पाण्डेय, उज्जवल साहु, पिंटू प्रसाद व दिलेश्वर यादव को बनाया गया है. प्रमोद साहू, विवेक चंद्रवंशी, राजू गुप्ता, अश्वनी सिंह, चंदन कुमार, शुभम गुप्ता व पंकज दास को मंत्री बनाया गया है. इसके अलावा अन्य सभी शहरी व ग्रामीण अखाड़ों के पांच-पांच सदस?यों को महासमिति का सदस्य बनाया गया है.

हाजीपुर नयाटोला चैती दुर्गा ग्लैक्सी मैदान में चैती दुर्गा पूजा सह मेला का आयोजन

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/मंडरोः प्रखंड के मिजाचौकी थाना क्षेत्र के हाजीपुर नयाटोला चैती दुर्गा ग्लैक्सी मैदान में चैती दुर्गा पूजा सह मेला का भव्य मेला का आयोजन प्रति वर्ष की तरह इस बर्ष भी लगाया जा रहा है। पूजा समिति द्वारा भव्य पूजा पंडाल को बनाया जाता है जो नेपाल के ठाकुर मंदिर के तर्ज पर बनाया जा रहा है जो बेहद सुन्दर एवं आकर्षक दिखेगा वहीं आचार्य पंडित लक्ष्मण जी महाराज द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार के साथ दुर्गा पाठ नौ दिवसी किया जाता है। इस दौरान पट खुलते ही आकर्षक एवं मनोरम देखने योग्य मेला आयोजित की जाती है।खेल तमाशा में मौत का कुंआ,ब्रेक डांस,तारामाची,नाव घोड़ा, मिठाई ,खिलौने, श्रृंगार,काठ की समाग्री खुब खरीदारी की जाती है बताते चलें की सर्व प्रथम दूर्गा पूजा प्रतिमा स्थापित कर 2018से प्रारंभ हुआ था। उस समय समिति की गठन किया। जिसमें

उचित लाल मंडल, अरुण कुमार सिंह, शशि शेखर सिंह ,संजय मिश्रा, देवनाथ यादव टिंकू ठाकुर, माखनलाल यादव, राजेश राम, अशोक कुमार सिंह इन्द्र देव मंडल, रामानंद सिंह , नित्यानंद ने त्रिपाल एवं पंडाल बनाकर पूजा को प्रारंभ किया ग्लैक्सो मैदान आयताकार हरी हरी दूब भौगौलिक क्षेत्र रमणिक है।सुबह शाम ठंडी गुलाबी हवा मिलती है।यहां उत्तर में गंगा पूरब मां रक्सी स्थान दक्षिण महादेववरण भोलेनाथ की मंदिर पश्चिम मैनाबाड़ी आश्रम पहाड़ियों से घिरा हुआ यह मैदान जिला में प्रसिद्ध है। वर्तमान में समिति के संजय मिश्रा, गोपाल घोष, शशि शेखर राजेश राम हीरालाल, टिंकू ठाकुर, देवकुमार,रोशन,सिंटु चौरसिया, माखनलाल यादव अशोक कुमार सिंह, इन्द्र देव मंडल, सहित दर्जनों कार्यकर्ता बढ़-चढ़ कर भाग ले रहे हैं,रामनवमी की आज कलश स्थापना कर किया जाएगा जहां समिति पूजा सह मेला की तैयारी शत-प्रतिशत कर ली है। मूर्तिकार मां का अंतिम रुप देने में लगा है, मेले की सजावट के लिए समिति द्वारा दूकानदारों को जितनी जमीन दुकान के लिए नौ दिन के लिए नाप कर सिस्टेमेटिक तरीके से दिया जा रहा है।

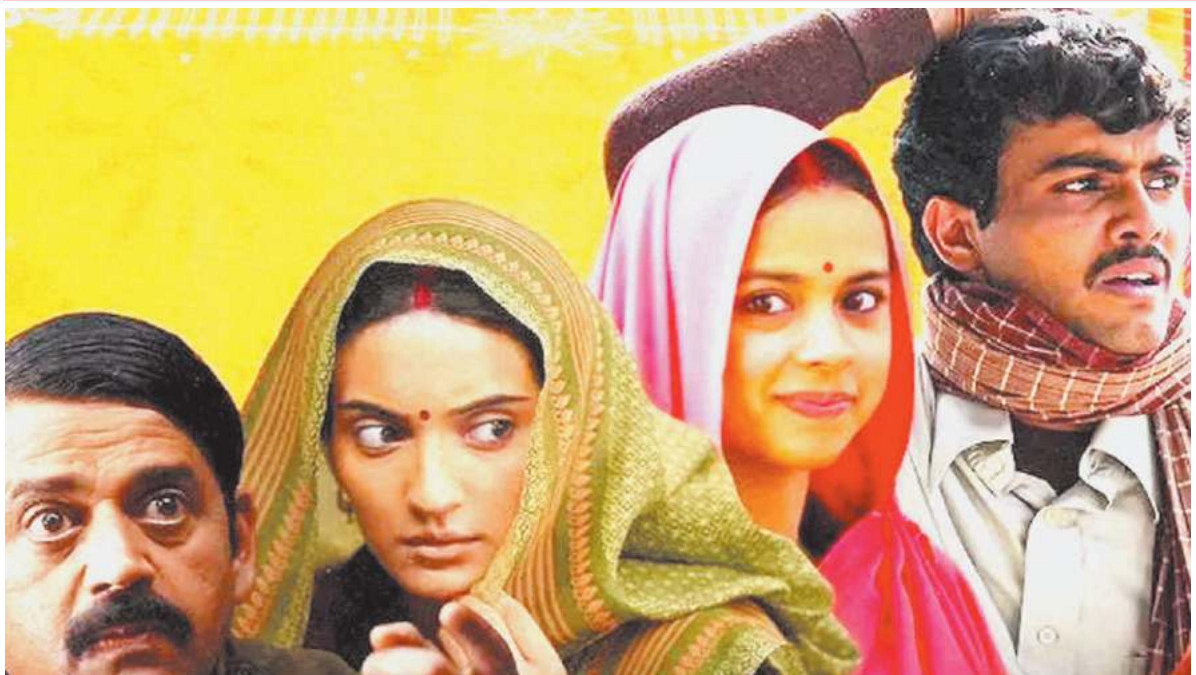

लापता लेडीज पर फिर लगा आइडिया चोरी करने का आरोप

विदेशी शॉर्ट फिल्म से मिलती है कहानी

किरण राव निर्देशित फिल्म 'लापता लेडीज' एक बार फिर से चर्चा में है। आमिर खान प्रोड्यूस इस फिल्म पर कहानी चोरी करने का आरोप लग रहा है।

साल 2024 में किरण राव निर्देशित फिल्म 'लापता लेडीज' को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। यह फिल्म भारत की तरफ से ऑस्कर में ऑफिशियल एंट्री के तौर पर भी शामिल हुई। लगभग एक साल बाद इस फिल्म की कहानी को चोरी का बताया जा रहा है। कुछ रेडिट पोस्ट में एक विदेशी फिल्म 'बुर्का सिटी' की कहानी, सीन्स का जिक्र किया गया है, जो लगभग 'लापता लेडीज' से मिलते-जुलते हैं।

शॉर्ट फिल्म 'बुर्का सिटी' की कहानी

साल 2019 में एक विदेशी शॉर्ट फिल्म 'बुर्का सिटी' रिलीज हुई, यह फिल्म 19 मिनट की है।

कहानी में मिडिल ईस्ट को दिखाया गया है, जहां एक व्यक्ति की नई दुल्हन किसी दूसरी महिला से बदल जाती है क्योंकि दोनों महिलाओं ने बुर्का पहना होता है। यह शॉर्ट फिल्म एक सटायर कॉमेडी थी। बिल्कुल इसी कहानी पर ही फिल्म 'लापता लेडीज' भी बनी है। किरण राव निर्देशित फिल्म में भी दो दुल्हनें इसलिए बदल जाती हैं क्योंकि उन्होंने घुंघट डाला हुआ था। इसके अलावा फिल्म में महिलाओं से जुड़े कई मुद्दों को भी दिखाया गया है।

पहले भी लगा है चोरी का आरोप

जब 'लापता लेडीज' रिलीज हो रही थी तब भी निर्देशक अनंत महादेवन ने इस फिल्म पर कहानी चोरी करने का आरोप लगाया था। अनंत का कहना था कि साल 1999 में उन्होंने एक फिल्म 'घूंघट के पट खोल' बनाई, इसकी कहानी भी दो दुल्हनों के बदल जाने और खुद के अस्तित्व को तलाशने की थी। उस समय भी किरण राव और आमिर खान ने इस मुद्दे पर चुप्पी साध कर रखी थी।

गुस्से में सोशल मीडिया यूजर

अब एक बार फिर 'बुर्का सिटी' नाम की विदेश फिल्म की कहानी चोरी करने का आरोप 'लापता लेडीज' के मेकर्स पर लग रहा है तो सोशल मीडिया यूजर काफी नाराज हैं। कई यूजर्स का कहना है कि किसी से प्रेरित होना बुरी बात नहीं लेकिन कम से कम जिनका असल आइडिया है उनको क्रेडिट तो देना ही चाहिए था। कई यूजर्स इस तरह कहानी और सीन्स को चोरी करने की बात को बहुत ही निराशाजनक बताते हैं।

रणवीर सिंह का दिखेगा अलग अंदाज

बॉलीवुड के अभिनेता रणवीर सिंह के पास इन दिनों कई बड़े प्रोजेक्ट्स हैं। वह आदित्य धर की फिल्म धुरंधर की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें उनकी लंबी दाढ़ी वाला लुक चर्चा में है। इसके अलावा वह फरहान अख्तर के डायरेक्शन वाली डॉन 3 का भी हिस्सा हैं।

हालांकि, सबसे रोमांचक खबर ये है कि रणवीर अब जल्द ही एक जॉम्बी फिल्म में नजर आ सकते हैं, जिसे वह अपनी प्रोडक्शन कंपनी मां कसम फिल्म्स के तहत प्रोड्यूस करेंगे।

जॉम्बी फिल्म की चल रही तैयारी

एक रिपोर्ट के मुताबिक रणवीर अपनी जॉम्बी फिल्म पर जोर-शोर से काम कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन जय मेहता करेंगे। अभी ये प्रोजेक्ट शुरुआती दौर में है और स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। रणवीर खुद स्क्रिप्ट में अपने सुझाव दे रहे हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि साल के अंत तक स्क्रिप्ट फाइनल हो जाए। रिपोर्ट के मुताबिक अगर सब ठीक रहा तो डॉन 3 के बाद ये उनकी अगली फिल्म हो सकती है। हालांकि, अभी कुछ भी पक्का नहीं है। अर्जुन रामपाल और आर माधवन जैसे सितारे नजर आएंगे। इस फिल्म की घोषणा जुलाई 2024 में हुई थी। ये फिल्म 1970 और 1980 के दशक में भारतीय खुफिया एजेंसियों की दुनिया को दिखाएगी। इस फिल्म की शूटिंग मई तक खत्म होने की उम्मीद है, लेकिन रिलीज डेट अभी तय नहीं हुई।

शबाना ने बताया, जीवन में अभी और क्या तलाशना बाकी है

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शबाना आजमी का कहना है कि, यह मानना ??अवास्तविक होगा कि उन्होंने सब कुछ अनुभव कर लिया है। उनके अनुसार, अभी तो पूरा जीवन ही जानना बाकी है।

यह पूछे जाने पर कि क्या ऐसा कुछ है जो वह अभी भी नहीं जानती या जिसके बारे में वह जानना चाहती हैं, शबाना ने आईएएनएस को बताया- हां, संपूर्ण जीवन। क्योंकि यह सोचना बेकार है कि मैंने सब कुछ अनुभव कर लिया है। हां, मैं अब ज़्यादा रोमांचक काम नहीं कर सकती। वो बेवकूफी होगी, लेकिन मैं फिर भी करना चाहती हूं। मुझे ज्यादा कुछ नहीं चाहिए। अभिनेत्री ने 1974 में अंकुर से अपनी शुरुआत की थी। शोबिज की दुनिया में पांच दशक बिताने वाली इस अभिनेत्री की फिल्मोग्राफी में 160 से ज्यादा फिल्में शामिल हैं, जिनमें से ज्यादातर स्वतंत्र और नवयथार्थवादी समानांतर सिनेमा की हैं। उन्होंने मुख्यधारा की फिल्मों के साथ-साथ कई अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट भी किए हैं। शबाना विभिन्न विधाओं में विशिष्ट, अक्सर अपरंपरागत महिला किरदारों के लिए लोकप्रिय हैं।

अपने दमदार अभिनय के कारण उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए पांच बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता है। अभिनेत्री को 1998 में पद्म श्री और 2012 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया जा चुका है। पीछे मुड़कर देखें तो क्या ऐसी कोई भूमिका है जिसे न निभा पाने का उन्हें अफसोस है या कोई ऐसी फिल्म है जिसका हिस्सा आप बनना चाहती थीं? वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक समग्र मंच, अंतरा एजईजी के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित अभिनेत्री ने कहा अभिनेत्री ने कहा, मेरी एक दोस्त कहती है कि मेरी एक अजीब आदत है। मैं कभी-कभी कहती हूं, अच्छा हुआ मैंने वो फिल्म नहीं की। वो पूछती है, क्या तुम्हें वो फिल्म ऑफर हुई थी? मैं कहती हूं, नहीं। तो वो कहती है, फिर तुम क्यों खुश हो? मेरे दिमाग में एक ख्याल आता है कि अच्छा है कि मैंने वो फिल्म नहीं की, लेकिन जब मुझे वो मिली ही नहीं, तो मैं क्या ही कर लेती? वह दोस्त मेरी इस बात पर हमेशा हंसती है। काम की बात करें तो अभिनेत्री को आखिरी बार आर. बाल्की की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म घूमर में देखा गया था। इसमें अभिषेक बच्चन, सैयामी खेर और अंगद बेदी भी हैं।

बीते दिनों कंगना रनौत और हंसल मेहता के बीच सोशल मीडिया पर तकरार हुई। इस कहासुनी के बाद हाल ही में हंसल मेहता ने अदाकारा की दिल खोलकर तारीफ की है और कहा कि वे उनका बहुत सम्मान करते हैं। अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत और फिल्म मेकर हंसल मेहता के बीच बीते दिनों सोशल मीडिया पर कहासुनी हुई।

सोशल मीडिया पर तकरार के बाद हंसल मेहता ने बांधे कंगना की तारीफों के पुल, बोले- उनका कायल हूं

दरअसल, स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा की महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद दोनों आमने-सामने आए। दोनों के फैंस भी आपस में भिड़े। अब इस पूरे मामले के कुछ दिन बाद ही हाल ही में हंसल मेहता ने कंगना की दिल खोलकर तारीफ की है।

दरअसल, हंसल मेहता विवादित टिप्पणी मामले में कुणाल कामरा का बचाव करते दिखे। इसके बाद नेटिजन्स ने उन्हें ट्रोल करना शुरू किया और पूछा कि जब कंगना के दफ्तर पर बुलडोजर चला था तब वे कहां थे? इस पर हंसल मेहता ने कहा, क्या उनके घर तोड़फोड़ हुई थी, क्या गुंडे उनके घर में घुसे थे? क्या उन्होंने उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को चुनौती देने या कथित एफएसआई उल्लंघन के लिए ऐसा किया? कृपया मुझे इसके बारे में बताए। शायद मैं तथ्य नहीं जानता। इस पर कंगना रनौत ने हंसल मेहता को जवाब दिया और याद दिलाया कि उन्हें भी आपत्तिजनक शब्द बोले गए थे।

बोले- कैमरे के सामने उनका जादू चलता है

कंगना से सोशल मीडिया पर तकरार के कुछ दिनों बाद हाल ही में हंसल मेहता ने अभिनेत्री की दिल खोलकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि वे कंगना की प्रतिभा के कायल हैं। हंसल मेहता ने कहा कि वे कंगना के कायल हैं। वे उनकी स्क्रीन प्रिजेंस को पहचानते हैं। हंसल मेहता ने माना कि कैमरे के सामने कंगना की उपस्थिति जादुई होती है। हंसल मेहता ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में यह कहा। हंसल ने कहा, मैं उनकी अदाकारी का कायल हूं। मैं उनकी प्रतिभा का वर्णन नहीं कर सकता, बस कैमरा उनसे प्यार करता है। यहां तक कि वे भी नहीं जानतीं कि वे कैमरे के सामने क्या जादू कर सकती हैं।

राम कथा सुनाएंगे बिग बी

रामनवमी के अवसर पर जियो-हॉटस्टार दर्शकों के लिए अयोध्या से एक विशेष लाइव स्ट्रीमिंग करेगा। इस दौरान अमिताभ बच्चन भगवान राम की प्रेरक कथा सुनाएंगे। साथ ही राम जन्मभूमि पर होने वाले सभी विशेष धार्मिक कार्यक्रमों को भी इस पर प्रसारित किया जाएगा। 6 अप्रैल को सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक यह स्ट्रीमिंग चलेगी।

स्ट्रीमिंग के दौरान अमिताभ बच्चन राम के मूल्यों पर चर्चा करेंगे। उत्सव में राम के जन्म, रामायण के सात कांडों और राम जन्मभूमि से जुड़ी कथा लाइव स्ट्रीम पर चलेगी। इसके अलावा अमिताभ बच्चन बच्चों के साथ एक इंटरैक्टिव सेशन भी करेंगे। जिसमें रामायण के कांडों की चुनिंदा कहानियों और दोहों को भी दिखाया जाएगा।

इस स्ट्रीमिंग के माध्यम से अयोध्या में की जाने वाली विशेष पूजा से लेकर, मंदिरों में पवित्र अनुष्ठान, भद्राचलम, पंचवटी, चित्रकूट और अयोध्या की लाइव आरती का आनंद दर्शक उठा पाएंगे। इसके अलावा भक्ति भजन, कैलाश खेर और मालिनी अवस्थी सहित मशहूर कलाकारों द्वारा मंत्रमुग्ध करने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी प्रसारित होंगी।

प्रोजेक्ट को लेकर क्या कहा अमिताभ ने?

इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने पर अमिताभ बच्चन ने आभार जताया। बिग बी ने कहा, ऐसे पवित्र अवसर का हिस्सा बनना बड़ा सम्मान है। रामनवमी एक त्योहार से कहीं बढ़कर है। यह भगवान राम द्वारा बताए गए धर्म, भक्ति और धार्मिकता के आदर्शों को अपनाने का समय है। ओटीटी प्लेटफॉर्म द्वारा दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभव देने का यह एक प्रयास है।

लिवरपूल ने एवर्टन को हराया, प्रीमियर लीग में 12 अंकों की बढ़त बरकरार

लंदन। डियोगो जोटा के 57वें मिनट में किए गए गोल की बदौलत लिवरपूल ने बुधवार को मसीसाईड डर्बी में एवर्टन को 1-0 से हराकर प्रीमियर लीग में अपनी 12 अंकों की बढ़त बरकरार रखी। लुइस डियाज के बैक-हील पास पर जोटा के गोल ने अरने स्लॉट की टीम को जीत दिलाई और अब टीम को खिताब पक्का करने के लिए अगले आठ मुकाबलों में सिर्फ 13 अंकों की जरूरत है। दूसरी ओर, मैनचेस्टर सिटी ने घर में संघर्षरत लीसेस्टर सिटी के खिलाफ दमदार शुरूआत की। जैक ग्रीलिश ने मैच के सिर्फ दूसरे मिनट में साविन्हो के असिस्ट पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। ओमर मरमौश ने हाफ टाइम से पहले स्कोर 2-0 कर दिया, जिससे यह साबित हुआ कि टीम को एर्लिंग हालांड की गैरमौजूदगी में भी कोई परेशानी नहीं हो रही। न्यूकैसल यूनाइटेड ने घरेलू मैदान पर ब्रेंटफोर्ड को 2-1 से हराकर उसकी लगातार पांचवें अवे मैच जीतने की उम्मीदों को तोड़ दिया। न्यूकैसल के लिए अलेक्जेंडर इसाक और सैंड्रो टोनाली ने गोल किए। मार्कस रैशफोर्ड और मार्को असेंसियो के दूसरे हाफ में किए गए गोलों ने एस्टन विला की यूरोप में वापसी की उम्मीदें मजबूत कर दीं। ब्राइटन के खिलाफ 3-0 की इस जीत में डोनीएल मालेन ने इंजुरी टाइम में गोल कर ब्राइटन की मुश्किलें और बढ़ा दीं, जो पहले ही एफए कप से बाहर हो चुका है। इप्सविच टाउन ने बोरनमाउथ को चौंकाते हुए 34वें मिनट में नाथन ब्रॉडहेड और 60वें मिनट में लियाम डेलाप के गोलों से 2-1 से हराया। बोरनमाउथ के लिए इवानिलसन ने 67वें मिनट में एकमात्र गोल किया। साउथैम्प्टन के पॉल ओनूआचू ने 20वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई थी, लेकिन क्रिस्टल पैलेस के मैथ्यूस फ्रांका ने इंजुरी टाइम में गोल कर मुकाबला 1-1 से ड्रॉ करवा दिया और साउथैम्प्टन की सीजन की तीसरी जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

इगा स्वियातेक ने बिली जीन किंग कप टूर्नामेंट से नाम वापस लिया

नई दिल्ली। दुनिया की नंबर दो टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने आगामी बिली जीन किंग कप क्वालिफाइंग टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। 23 वर्षीय स्वियातेक ने कहा कि उन्हें अपने करियर और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अधिक समय चाहिए, जिसके चलते वह 10-12 अप्रैल को पोलैंड के रादोम शहर में स्विट्जरलैंड और यूक्रेन के खिलाफ राष्ट्रीय टीम के लिए नहीं खेलेंगी। स्वियातेक ने कहा, 'मुझे पता है कि यह जानकारी प्रशंसकों, विशेष रूप से पोलिश प्रशंसकों, के लिए निराशाजनक हो सकती है, लेकिन फिलहाल यह मेरे लिए सही निर्णय है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं हमेशा गर्व के साथ अपने देश का प्रतिनिधित्व करती हूं। मैंने पिछले साल देश के लिए सभी प्रमुख टूर्नामेंट खेले थे। मुझे बीजेकेसी सेमीफाइनल और यूनाइटेड कप फाइनल में टीम की ऐतिहासिक सफलता पर गर्व है। अब मेरे लिए संतुलन बनाए रखने, खुद पर ध्यान देने और अपने प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने का समय है। मैं अपनी टीम और सभी खिलाड़ियों के लिए शुभकामनाएं देती हूं,'

पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक हाल ही में मियामी ओपन के क्वार्टर फाइनल में 19 वर्षीय फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला से हार गई थीं। स्वियातेक ने यह मुकाबला अतिरिक्त सुरक्षा के बीच खेला, क्योंकि एक अभ्यास सत्र के दौरान एक दर्शक ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया था।

आईएसएल : दूसरे सेमीफाइनल के पहले चरण में शील्ड विजेता मोहन बागान को चुनौती देगी जमशेदपुर एफसी

एजेंसी

जमशेदपुर। जमशेदपुर एफसी गुरुवार को शाम अपने घरेलू मैदान जेआरडी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 के दूसरे सेमीफाइनल के पहले चरण के मुकाबले में मोहन बागान सुपर जायंट का सामना करने के लिए तैयार है। ये दोनों टीमें पहली बार प्लेऑफ में भिड़ने जा रही है। एमबीएसजी आईएसएल लीग शील्ड जीतने के कारण पहले ही अंतिम-चार में पहुंच गई थी, जबकि रेड माइनर्स ने सिंगल-लेग नॉकआउट मुकाबले में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी को 2-0 से हराकर डबल-लेग सेमीफाइनल में जगह बनाई है। जमशेदपुर एफसी को आईएसएल में मोहन बागान सुपर जायंट के खिलाफ अपने पिछले छह मैचों में कोई जीत नहीं मिली है और इस दौरान चार हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर, एमबीएसजी पिछले छह अवे मैचों में अपराजित रही है, जिसमें उसने तीन बार जीत हासिल की है और 13 गोल किए हैं, जबकि केवल तीन गोल खाए हैं। जमशेदपुर की टीम सेमीफाइनल मुकाबले में मजबूत शुरूआत करके फायदा उठाना चाहेगी, लेकिन उसने यहां अपने पिछले दो घरेलू मैच हारे हैं। जमशेदपुर ने साल 2025 की शुरूआत से अब तक सबसे अधिक गोल (22) किए हैं, जो मोहन बागान सुपर जायंट (21) से एक ज्यादा है। वैसे, एमबीएसजी के नाम अब तक सबसे ज्यादा 47 गोल हैं।

मोहन बागान ने अपने पिछले छह आईएसएल प्लेऑफ मैचों में से केवल एक ही मैच नियमित या अतिरिक्त समय (3 ड्रा, 2 हार) में जीता है, जिसमें पिछले सीजन के फाइनल में मुम्बई सिटी के हाथों 1-3 से हार भी शामिल है। जमशेदपुर के मुख्य कोच खालिद जमील मैच से पहले आशावादी नजर आए। उन्होंने कहा, 'हमें अभी दो चरण खेलने हैं और हमारा सामना एक बहुत अच्छी टीम से है। हम सकारात्मक हैं, क्योंकि हम अपने घरेलू मैदान पर खेलने जा रहे हैं, और हमें सकारात्मक परिणाम के बारे में सोचना चाहिए।' मोहन बागान सुपर जायंट के स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना ने आईएसएल कप जीतने को लेकर अपनी टीम की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने कहा, 'हम तैयार हैं और हम आईएसएल कप जीतना चाहते हैं। हम इस सीजन से बेहद खुश हैं, लेकिन हम कप भी जीतना चाहते हैं।' आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 10 मुकाबले हुए हैं। मोहन बागान ने पांच बार जीत हासिल की है जबकि जमशेदपुर एफसी ने तीन मैच जीते हैं। दो मुकाबले ड्रा रहे हैं।

पीएम मोदी बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए बैंकॉक रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज कुछ देर पहले थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के लिए रवाना हो गए। वो बैंकॉक के होटल शांगरी-ला में आयोजित बिम्सटेक ((बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इस साल सम्मेलन की मेजबानी थाईलैंड कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने बैंकॉक रवाना होने से पहले जारी बयान में कहा, " मैं आज थाईलैंड की आधिकारिक यात्रा पर जा रहा हूं और 6वें बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा। पिछले दशक में बिम्सटेक बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में क्षेत्रीय विकास, संपर्क और आर्थिक प्रगति को

बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभरा है। अपनी भौगोलिक स्थिति के साथ, भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र बिम्सटेक के केंद्र में है। मैं बिम्सटेक देशों के नेताओं से मिलने और देश के लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए सहयोग को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं।"

आध्यात्मिक विचारों की मजबूत नींव

उन्होंने कहा, " अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान, मुझे थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा और थाई नेतृत्व के साथ बातचीत करने का अवसर मिलेगा, जिसमें हमारे सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंधों को बढ़ाने की साझा इच्छा होगी, जो साझा संस्कृति, दर्शन और आध्यात्मिक विचारों की मजबूत नींव पर आधारित हैं। थाईलैंड से मैं 04-06 अप्रैल तक श्रीलंका की दो दिवसीय यात्रा पर जाऊंगा। यह पिछले दिसंबर में राष्ट्रपति दिसानायका की भारत की अत्यधिक सफल यात्रा के बाद है। हमें 'साझा भविष्य के लिए साझेदारी को बढ़ावा देने' के संयुक्त दृष्टिकोण पर हुई प्रगति की समीक्षा करने और हमारे साझा उद्देश्यों को साकार करने के लिए आगे मार्गदर्शन प्रदान करने का अवसर मिलेगा। मुझे विश्वास है कि ये यात्राएं अतीत की नींव पर बनेंगी और हमारे लोगों और व्यापक क्षेत्र के लाभ के लिए हमारे घनिष्ठ संबंधों को मजबूत करने में योगदान देंगी।"

थाईलैंड के गवर्नमेंट हाउस में होगा स्वागत

थाईलैंड के अखबार द नेशन की खबर के अनुसार, प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता जिरायु हुआंगसैप ने कहा कि थाईलैंड के प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न शिनावात्रा के निमंत्रण पर भारतीय प्रधानमंत्री मोदी थाईलैंड की आधिकारिक यात्रा (3-4 अप्रैल) पहुंच रहे हैं। 3 अप्रैल को गवर्नमेंट हाउस में प्रधानमंत्री पैतोंगतार्न अपने भारतीय समकक्ष का आधिकारिक स्वागत करेंगे। इसके बाद दोनों नेता प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में चर्चा करेंगे। इसके बाद समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होंगे। इस अवसर पर संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। दोपहर करीब एक बजे थाईलैंड के प्रधानमंत्री, भारतीय प्रधानमंत्री के सम्मान में लंच का आयोजन करेंगे।

बाड़मेर : मस्जिद में आग लगने से धार्मिक पुस्तकें जली

बाड़मेर। बाड़मेर जिले के बीजराड़ गांव में बुधवार रात एक मस्जिद में आग लगने की घटना सामने आई है। आग लगने से धार्मिक ग्रंथ जल गए। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में हलचल मच गई। बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। सूचना मिलते ही एसपी समेत विभिन्न थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल से अहम सबूत जुटाए हैं। जिला पुलिस अधीक्षक नरेंद्र कुमार मीना ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीमें गठित की गई हैं। प्रारंभिक जांच के आधार पर एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया गया है, जिससे पूछताछ जारी है। फिलहाल इलाके में सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल तैनात किया गया है। घटना के समय मस्जिद में कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

मोतिहारी में चलती लग्जरी बस में लगी आग,बाल-बाल बचे 150 यात्री

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। सुपौल से दिल्ली जा रही शिवमहिमा नामक एक लग्जरी बस में आग लग गई और देखते ही देखते पूरा बस जलकर राख हो गया।घटना पीपराकोठी थाना क्षेत्र स्थित एनएच 27 पर बंगरी रेलवे ओवर ब्रिज के उपर हुई है। घटना के वक्त बस पर 150 यात्री सवार थे। बस में आग लगने की खबर मिलते ही यात्रियों को बाहर निकालने का काम शुरू कर दिया गया। सभी यात्री सुरक्षित बाहर निकल आए। यात्रियो के अनुसार बस में कुछ जलने की गंध तीन किलोमीटर पहले से ही महसूस हो रही थी।घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की विकरालता को देख अग्निशमन टीम को सूचित किया,जिसने भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन तब तक बस पूरी तरह से जल चुकी थी।

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत आज से काशी प्रवास पर, स्वयंसेवकों से करेंगे संवाद

शहर के प्रबुद्ध जनों से मिलेंगे, शाखा में हिस्सा लेने के साथ श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में करेंगे दर्शन-पूजन

एजेंसी

वाराणसी । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत आज अपराह्न काशी पहुंच रहे हैं। संघ प्रमुख डॉ. भागवत बाबतपुर एयरपोर्ट से कड़ी सुरक्षा के बीच तुलसीपुर महमूरगंज स्थित निवेदिता शिक्षा सदन जाएंगे। वो निवेदिता सदन में कुछ देर विश्राम के बाद शाम को प्रार्थना सभा में हिस्सा लेंगे। संघ के पदाधिकारियों के अनुसार रात्रि विश्राम के बाद वो प्रातःकाल शाखा में भाग लेने के बाद काशी प्रांत के वरिष्ठ प्रचारकों और पदाधिकारियों के साथ दो बार में बैठक करेंगे। इसमें

प्रांत और विभाग प्रचारक भी शामिल रहेंगे। इसी दिन शाम को सरसंघचालक बीएचयू आईआईटी के विद्यार्थियों से भी संवाद करेंगे। संवाद के बाद वो यहीं शाखा टोली से मिलेंगे। इसमें शिक्षक भी मौजूद रहेंगे। पांच अप्रैल को वो श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में पूर्वाह्न में दर्शन-पूजन करेंगे। इसके बाद वे काशी के प्रबुद्धजन संग भी अलग-अलग बैठक कर संवाद करेंगे। छह अप्रैल को संघ प्रमुख मलदहिया लाजपत नगर जाएंगे और शाखा में शामिल होंगे। इसके बाद शहर के प्रबुद्ध जनों से मिलेंगे। शाम को प्रांत टोली के साथ बैठक करेंगे। सात अप्रैल को लखनऊ के लिए प्रस्थान करने से पहले काशी प्रांत के अनुभवी कार्यकताओं की टोली के साथ बैठक कर उनका मार्गदर्शन करेंगे। इसके बाद प्रांत टोली के साथ भी बैठक कर सकते हैं। संघ प्रमुख डॉ. भागवत वाराणसी से सात अप्रैल की शाम लखनऊ पहुचेंगे। लखनऊ में तीन दिन प्रवास करेंगे। संघ प्रमुख के चार दिवसीय प्रवास और उनके कार्यक्रमों के साथ सुरक्षा व्यवस्था की भी पूरी तैयारी कर ली गई है। उनकी सुरक्षा व्यवस्था का डमी फ्लीट रिहर्सल भी किया जा चुका है। संघ प्रमुख के काशी में प्रवास को देखते हुए निवेदिता शिक्षा सदन और आसपास के इलाके में सुरक्षा का व्यापक प्रबंध किया गया है। माना जा रहा है कि संघ के शताब्दी वर्ष की तैयारी और आगामी कार्ययोजना पर मंथन होगा। खास बात यह है कि संघ प्रमुख अप्रैल माह में दो बार काशी आएंगे। वो 30 अप्रैल को भी काशी में होने वाले सामूहिक विवाह कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए आएंगे।

चीन देगा अमेरिका के टैरिफ का कड़ा जवाब

एजेंसी

बीजिंग। चीन ने आज अमेरिका के पारस्परिक टैरिफ का कड़ा विरोध किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को चीन के 438 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आयात पर 34 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की। चीन अमेरिका का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। चीन ने कहा कि वह अपने अधिकारों की रक्षा के लिए दृढ़ता से जवाब देगा।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने गुरुवार को कहा कि चीन अमेरिका के पारस्परिक टैरिफ का दृढ़ता से विरोध करता है और अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए दृढ़तापूर्वक जवाबी उपाय अपनाएगा। प्रवक्ता ने ट्रंप पर निशाना साधते हुए कहा कि इतिहास बताता है कि टैरिफ बढ़ाने से अमेरिका की अपनी समस्याओं का समाधान नहीं हो

सकता। इससे अमेरिकी हितों को ही नुकसान पहुंचता है। इस टैरिफ से वैश्विक आर्थिक विकास के साथ-साथ औद्योगिक और आपूर्ति श्रृंखला की स्थिरता को भी खतरा होता है।

मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, "व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं होता है।पारस्परिकता के बहाने अपने सभी व्यापारिक साझेदारों पर टैरिफ बढ़ाना हितों के संतुलन की उपेक्षा करता है। ट्रंप इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका को अंतरराष्ट्रीय व्यापार से लंबे समय से लाभ मिल रहा है।" प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने व्यक्तिपरक और एकतरफा मूल्यांकन के आधार पर तथाकथित पारस्परिक टैरिफ निर्धारित किया है। यह टैरिफ अंतरराष्ट्रीय व्यापार नियमों का उल्लंघन है। इससे संबंधित पक्षों के अधिकारों और हितों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है। यह एकतरफा चालाकी का उच्च प्रदर्शन है। उन्होंने कहा कि कई व्यापारिक साझेदारों ने अमेरिकी कदम के प्रति गहरा असंतोष व्यक्त किया है।

उन्होंने ने कहा कि चीन संयुक्त राज्य अमेरिका से अपने एकतरफा टैरिफ को तुरंत रद्द करने और समान बातचीत के माध्यम से अपने व्यापारिक भागीदारों के साथ मतभेदों को हल करने का आग्रह करता है। इस बीच चीन ने मूल्य शासन तंत्र में सुधार करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किया है। यह दिशा-निर्देश चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के जनरल कार्यालय और राज्य परिषद के जनरल कार्यालय ने जारी किया है। इसका उद्देश्य मूल्य मार्गदर्शन तंत्र, उचित मूल्य स्तर बनाए रखने के लिए मूल्य विनियमन तंत्र, पारदर्शी एवं पूवार्नुमानित बाजार मूल्य पर्यवेक्षण तंत्र को बढ़ावा देना है।

सुप्रीम कोर्ट ने लगाई कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले पर मुहर

पश्चिम बंगाल में 25 हजार शिक्षकों की नियुक्ति रद्द, वेतन लौटाने की जरूरत नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के करीब 25 हजार शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की नियुक्ति रद्द करने के कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले पर मुहर लगा दी। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि ये नियुक्तियां फर्जी तरीके से की गईं।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि जिन अभ्यर्थियों को नियुक्त किया गया, उन्हें वेतन वापस करने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नई नियुक्ति प्रक्रिया में उन अभ्यर्थियों को छूट मिल सकती है जो दागी नहीं हैं। कोर्ट ने 10 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले कोर्ट ने सात मई 2024 को कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दिया था। तत्कालीन चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार लगाते हुए कहा था कि यह भर्ती प्रक्रिया एक सुनियोजित साजिश है। कोर्ट ने कहा था कि 25 हजार शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की नियुक्ति से संबंधित डिजिटल रिकॉर्ड बनाए रखना अफसरों का काम है। पश्चिम बंगाल

सरकार ने याचिका में कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाने की मांग की थी। याचिका में कहा गया था कि हाई कोर्ट के इस फैसले से राज्य के स्कूलों में पढ़ाई ठप हो जाएगी। याचिका में राज्य सरकार ने आरोप लगाया था कि हाई कोर्ट ने रिकॉर्ड पर बिना किसी भी हलफनामे और मौखिक दलील के आधार पर ही मनमाने ढंग से नियुक्तियां रद्द कर दीं।दरअसल कल कत्ता हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल 2024 को शिक्षकों की भर्ती को अवैध ठहराते हुए 24 हजार उम्मीदवारों की नियुक्ति को अवैध करार देते हुए भर्ती के बाद प्राप्त वेतन वापस करने का आदेश दिया था।

बड़ी गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार में रिकवरी का रुख

सेंसेक्स निचले स्तर से 590 अंक से अधिक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज शुरूआती कारोबार के दौरान निचले स्तर से रिकवरी करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिका द्वारा रेसिप्रोकल टैरिफ लागू करने की वजह से दुनिया के दूसरे स्टॉक मार्केट की तरह ही आज घरेलू शेयर बाजार के कारोबार की शुरूआत भी बड़ी गिरावट के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे शेयर बाजार की चाल में सुधार होने लगा। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.28 प्रतिशत और निफ्टी 0.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरूआती एक घंटे का

कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से सन फार्मास्युटिकल्स, डॉक्टर रेड्डीज लेबोरेट्रीज, सिप्ला, श्रीराम फाइनेंस और टाइटन कंपनी के शेयर 4.22 प्रतिशत से लेकर 1.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजी, इंफोसिस और बजाज ऑटो के शेयर 3.29 प्रतिशत से लेकर 2.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,444 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,400 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,044 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 16 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 19 शेयर हरे निशान में और 31 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 805.58 अंक टूट कर 75,811.86 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने रिकवरी शुरू कर दी। हालांकि बीच-बीच में बिकवाली का दबाव भी बनता रहा, लेकिन लिवालों ने लगातार खरीदारी का जोर बनाए रखा, जिससे धीरे-धीरे इस सूचकांक में मजबूती आती गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स ओपनिंग लेवल से 590 अंक से अधिक की रिकवरी करके 212.92 अंक की कमजोरी के साथ 76,404.52 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने भी आज 182.05 अंक की गिरावट के साथ 23,150.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही खरीदार एक्टिव होकर लिवाली करने लगे, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होने लगा। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 56 अंक की कमजोरी के साथ 23,276.35 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को सेंसेक्स 592.93 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की मजबूती के साथ 76,617.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 166.65 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की उछाल के साथ 23,332.35 अंक के स्तर पर बुधवार के कारोबार का अंत किया था।

न्यूज IN ब्रीफ

अंबिकापुर में अज्ञात चोरों ने पुलिसकर्मी के घर से एके-47 राइफल , 90 जिंदा कारतूस और सोने-चांदी के जेवरात ले उड़े, जांच में जुटी पुलिस

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर में अपराधियों का मनोबल लगातार बढ़ता जा रहा है। यहां अज्ञात चोरों ने आरक्षक के घर से एके-47 राइफल और 90 राउंड जिंदा कारतूस चोरी कर ले गए। इसके साथ ही चोरों ने सोने-चांदी के जेवरात पर भी हाथ साफ कर लिए है। पूरा मामला गांधीनगर थाना क्षेत्र का है। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पूरा मामला बीती देर रात का है, जहां गांधीनगर थाने से महज 300 मीटर की की दूरी पर स्थित आरक्षक आशीष तिर्की का घर है। आरक्षक बलरामपुर जिले के जिला पंचायत सीईओ का गनमैन बताया जा रहा है। चोरों ने उनके घर से एके-47 राइफल के साथ 90 राउंड जिंदा कारतूस और सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। घटना के बाद गुरुवार सुबह पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। सरगुजा एएसपी अमोलक सिंह ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि चोरी की घटना गांधीनगर थाना क्षेत्र की है। पुलिस जांच कर रही है। पुलिस जवान जिला बल बलरामपुर में पदस्थ है। एएसपी ने बताया कि आरक्षक को एके 47 राइफल और कारतूस पुलिस लाइन या विशेष परिस्थिति में नजदीकी थाने में जमा कर बाहर जाना था। इसमें आरक्षक की लापरवाही है। मामले की पुलिस गंभीरता से जांच कर रही है।

'काठमांडू हिंसा' की जिम्मेदारी लेने से पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र का इनकार

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू बीते शुक्रवार को राजशाही के समर्थन में हुए प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा की जिम्मेदारी लेने से पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के सचिवालय ने इनकार कर दिया है। सचिवालय ने गुरुवार को शाह के हवाले से जारी बयान में आरोप लगाया है कि इस दुखद घटना के लिए सरकार की कमियां और कमजोरी जिम्मेदार हैं। सचिवालय के संवाद सचिव फनिराज पाठक ने बयान में कहा कि निर्मल निवास और पूर्व राजा के समर्थक प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा, तोड़फोड़ और लूटपाट की जिम्मेदारी नहीं लेंगे। पाठक ने दावा किया कि 28 मार्च को तिनकुने क्षेत्र में हुई तोड़फोड़, आगजनी और दो लोगों की मौत के लिए पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह को जिम्मेदार ठहरा कर ओली सरकार अपनी कमजोरी छुपाने का प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ओली ने संसद में इस घटना के लिए सीधे-सीधे पूर्व राजा को दोषी बताते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी। उल्लेखनीय है यह प्रदर्शन पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह के 87 वर्षीय कट्टर समर्थक नवरज सुबेदी के नेतृत्व में संयुक्त जनसंघर्ष समिति ने किया था।सुवेदी ने दावा किया था कि उनको पूर्व राजा ने ही इस समिति का नेतृत्व करने के लिए कहा था। शुक्रवार की घटना के बाद से ही सुवेदी को नजरबंद कर दिया गया है।

शराब पीने के बहाने बुलाकर दोस्त पर किया हमला, मौत के घाट उतारा

कोलकाता। शराब पीने के बहाने बुला कर दोस्तों ने एक युवक हत्या कर दी। इस हत्या के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। घटना दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर थाना क्षेत्र के सुभाषपाली मैदान में घटी। मृतक की पहचान विशाल साव (25) के रूप में हुई है। उसकी शादी करीब एक साल पहले हुई थी और घर में पत्नी व ढाई महीने का बच्चा है। विशाल चाट की दुकान लगाया करते थे। जानकारी के मुताबिक, बुधवार रात करीब 11 बजे विशाल को उसके दोस्त आकाश पाइक ने फोन कर बाहर बुलाया। आकाश के साथ उसके अन्य दो दोस्त राकेश और राहुल भी थे। विशाल की पत्नी ने उसे बाहर जाने से रोका, लेकिन वह नहीं माना और दोस्तों के बुलाने पर चला गया। आरोप है कि आकाश, राकेश और राहुल ने उसे सुभाषपाली मैदान में ले जाकर बुरी तरह पीटा और वहीं घायल अवस्था में छोड़कर फरार हो गए। परिवार को इस घटना की जानकारी करीब रात एक बजे मिली। परिजन तत्काल उसे सोनारपुर ग्रामीण अस्पताल लेकर गए, लेकिन गंभीर हालत को देखते हुए वहां से चित्तरंजन अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां इलाज के दौरान गुरुवार तड़के विशाल ने दम तोड़ दिया।स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सोनारपुर थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या के आरोप में आकाश, राकेश और राहुल को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है।

पाकिस्तान में 27 साल बाद आदिवासी बल, सीमा सैन्य पुलिस और बलूच लेवी में की गई भर्ती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आदिवासी बल, सीमा सैन्य पुलिस और बलूच लेवी के लिए भर्ती प्रक्रिया 27 साल के अंतराल के

बाद सफलतापूर्वक पूरी हो गई है। इस पंजाब में अंतरप्रांतीय बलूचिस्तान सीमा पर सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया है। द न्यूज इंटरनेशनल अखबार की खबर के अनुसार, यह भर्ती पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज के निर्देश पर की गई है। डेरा गाजी खान में सीमा सैन्य पुलिस और बलूच लेवी में नायक और अन्य आवश्यक पदों के कुल 10,236 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 771 उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए चुना गया। इनमें से 325 का चयन किया गया। राजनपुर में 2,855 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 525 उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया, जिनमें से 180 का चयन किया गया। इनको छह महीने का अनिवार्य प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस भर्ती की प्रमुख विशेषता आदिवासी बल के इतिहास में पहली बार महिलाओं के लिए कोटा शुरू करना था।

न्यूज ब्रीफ

जमशेदपुर अंडर 16 टीम की घोषणा हुई

जमशेदपुर : आठ अप्रैल से कोडरमा में आयोजित होने वाली जेएससीए अंतर जिला अंडर-16 क्रिकेट टूनार्मेंट के लिए जमशेदपुर की टीम घोषित कर दी गयी है। जिसमें झारखंड क्षत्रिय संघ की सुनीता सिंह के बेटे स्वर्णनित कुमार सिंह का भी चयन हुआ है। चार दिवसीय ट्रायल के आधार पर 16 सदस्यीय टीम का चयन किया गया है। वहीं, पांच खिलाड़ियों को सुरक्षित' खिलाड़ियों में शामिल किया गया है। टीम में युवराज सिंह, वीर दास, शिवम कुमार मुखी, अक्षय प्रताप सिंह, रुद्र कुमार मुखी, यश राज, श्रियांश राज, समर चौधरी, आर्यन कुमार चौधरी, तपाची तेजस (विकेटकीपर), स्वर्णनित कुमार सिंह हुसैन अली, प्रभजोत सिंह भामरा, सुशांत कुमार शामिल है. सुरक्षित खिलाड़ियों में पीयूष कुमार यादव, डी शर्मा, समीर कुमार, शिवम कुमार व उत्कर्ष ओझा, जमशेदपुर का पहला मैच लातेहार से 9 अप्रैल को होगा।

बनारस व गोरखपुर के यात्री होंगे परेशान

जमशेदपुर : टाटानगर से बिहार होकर उत्तर प्रदेश के गोरखपुर समेत बनारस, भदोही, अयोध्या, प्रतापगढ़, अमेठी, रायबरेली के यात्रियों को इस महीने आवागमन में दिक्कत होगी क्योंकि यूपी में लाइन मरम्मत कार्य को लेकर दक्षिण पूर्व रेलवे जोन ने शालीमार से 22 व 29 अप्रैल और गोरखपुर से 24 अप्रैल व 3 मई तक ट्रेन को अपडाउन रद्द कर दिया है। वहीं, इस्ट कोस्ट रेलवे जोन ने पुरी-आनंद विहार नीलांचल एक्सप्रेस को 29 अप्रैल तक काशी, भदोही, प्रतापगढ़, अमेठी एवं रायबरेली के बजाय प्रयागराज होकर चलाने का आदेश दिया है।

चार दिन बाद खुले राज्य सरकार के कार्यालय

जमशेदपुर : चार दिनों के बाद राज्य सरकार के कार्यालय गुरुवार को खुल गये। इसके कारण जिला मुख्यालय सहित प्रखंड व अनुमंडल कार्यालयों में रौनक रही। दरअसल रविवार के साप्ताहिक अवकाश के बाद सोमवार को ईद और मंगलवार एवं बुधवार को सरहुल की छुट्टी की वजह से यह स्थिति बनी। लगातार चार दिनों की छुट्टी की वजह से बहुत से अधिकारी व कर्मचारी अपने पैतृक निवास चले गये थे जो गुरुवार को लौटे।

14 से 24 अप्रैल तक रद्द रहेगी धनबाद-भुवनेश्वर स्पेशल

धनबाद : पूर्व तट रेलवे के खुर्दा रोड मंडल में प्रस्तावित नन इंटरलॉकिंग कार्य को देखते हुए धनबाद से भुवनेश्वर के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन अप्रैल में 11 दिन रद्द रहेगी। 02832 भुवनेश्वर-धनबाद एक्सप्रेस 13 से 23 अप्रैल को रद्द रहेगी। 02831 धनबाद-भुवनेश्वर एक्सप्रेस 14 से 24 अप्रैल को नहीं चलेगी। 22805 भुवनेश्वर-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस 12 और 19 अप्रैल को रद्द रहेगी। वहीं 22806 आनंद विहार टर्मिनल-भुवनेश्वर एक्सप्रेस 14 और 21 अप्रैल को स्थगित रहेगी।

13 जून तक गोमो होकर चलेगी पुरी-ग्वालियर स्पेशल

धनबाद : गर्मी की छुट्टियों में सैर-सपाटे के लिए यदि आप पुरी या ग्वालियर जाना चाहते हैं और ट्रेन में रिजर्वेशन नहीं मिल रही है तो आपके लिए राहत की खबर है। रेलवे ने गोमो होकर ग्वालियर से पुरी के बीच चार अप्रैल से 14 जून के बीच समर स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। 01929 ग्वालियर-पुरी स्पेशल चार अप्रैल से 13 जून के बीच हर शुक्रवार को दोपहर एक बजे ग्वालियर से खुलेगी। ट्रेन इटावा, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, मिजार्पुर, डीडीयू, गया होते हुए शनिवार की सुबह छह बजे गोमो और रात 8.15 बजे पुरी पहुंचेगी। वापसी में 01930 पुरी-ग्वालियर समर स्पेशल पांच अप्रैल से 14 जून तक हर शनिवार को रात 11.45 बजे पुरी से खुलेगी। ट्रेन अगले दिन रविवार की दोपहर 12.30 बजे गोमो और सोमवार की सुबह 9.25 बजे ग्वालियर पहुंचेगी। ट्रेन में स्लीपर, थर्ड व सेकेंड एसी की बोगियां जोड़ी जाएंगी। दोनों ओर से ट्रेन में बुकिंग हो रही है। हर ट्रिप में पर्याप्त सीट खाली हैं।

फ्यूज उड़ने से तीन घंटे बिजली गुल

धनबाद : दुहाटांड़, वन काली मंदिर सहित आसपास क्षेत्रों में तीन घंटे बिजली नहीं रही। लोगों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ा। बिजली दोपहर 12 बजे कटी, जो तीन बजे के बाद बहाल की गई। तब लोगों को राहत मिली। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि फ्यूज उड़ गया। इस कारण क्षेत्र में बिजली नहीं रही। बता दें कि सीएमआरएस फीडर में लगातार अक्सर खराबी उत्पन्न होती रहती है, जिससे लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ता है।

खनन विभाग ने देर रात चलाया चेकिंग अभियान, अवैध बालू लदे चार हाइवा जब्त

सरायकेला : चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में पुलिस-प्रशासन की सख्ती के बावजूद बालू की तस्करी जारी है. अवैध बालू कारोबार के खिलाफ प्रशासन ने ईचागढ़ और तिरुलडीह थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात को औचक निरक्षण किया. इस दौरान वहां से गुजरने वाले वाहनों की जांच की गयी. इस कार्रवाई के दौरान प्रशासन ने अवैध बालू लदे चार हाइवा जब्त किये और इसे संबंधित थाना को सौंप दिया. जिला खनन पदाधिकारी ज्योति शंकर सतपति ने इसकी जानकारी दी. उन्होंने बताया कि मामले पर अग्रेत्तर कार्रवाई की जा रही है. बालू के अवैध खनन, भंडारण और परिवहन के खिलाफ जिला प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रही है. जानकारी के अनुसार, पुलिस-प्रशासन को गुप्त सूचना मिली थी कि रात के अंधेरे में बालू का काला कारोबार धडल्ले से चल रहा है. इसके बाद सरायकेला-खरसावां डीसी रवि शंकर शुक्ला के निर्देश पर चांडिल अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व में जिला खनन विभाग की टीम ने ईचागढ़ और तिरुलडीह थाना क्षेत्र के के टीकर, सोड़ो, सपादा और तिरुलडीह समेत अन्य क्षेत्रों में औचक निरीक्षक किया. इस दौरान अवैध बालू लदे चार हाइवा जब्त किये.

हावड़ा-नई दिल्ली रूट पर जल्द चलेगी सेमी हाईस्पीड ट्रेन: डीआरएम

धनबाद : हावड़ा-नई दिल्ली रेलखंड पर 160 किलोमीटर प्रतिघंटे की गति से जल्द सेमी हाईस्पीड ट्रेन फरार्टा भरेगी। इसके लिए हावड़ा-नई दिल्ली ग्रैंड कार्ड सेक्शन में पड़ने वाले धनबाद डिवीजन के हिस्से को तैयार किया गया है। 80 से 90 प्रतिशत काम पूरा कर लिया गया है, बाकी काम भी समयबद्धता के साथ पूरा किया जा रहा है। उक्त बातें पत्रकारों से बुधवार को बाचतीत करते हुए डीआरएम कमल किशोर सिन्हा ने कहीं। उन्होंने बताया कि चार अप्रैल को डीडीयू मंडल के गया से धनबाद के प्रधानखंता स्टेशन तक वंदे भारत एक्सप्रेस के डिब्बों के साथ ग्रैंड कार्ड पर 160 किलोमीटर प्रति घंटे का स्पीड ट्रायल किया जा रहा है। इससे पहले हर दिन प्री-ट्रायल हो रहे हैं। बुधवार को रूट पर ट्रेन 145 किमी प्रति घंटे की गति से चली।

चार अप्रैल को स्पीड ट्रायल के दौरान पूर्व मध्य रेलवे के जीएम छत्रसाल सिंह अन्य अधिकारियों के साथ मौजूद रहेंगे। रूट पर ट्रेनों की गति बढ़ाने के लिए पटरी को ठोस बनाने के साथ उसे कवच सुरक्षायुक्त बनाया जा रहा है। साथ ही ओवरहेड इक्यूपमेंट को उस योग्य बनाया जा रहा है। ग्रैंड कार्ड के सभी रेलवे क्रॉसिंग (समपार फाटक) को हटाकर वहां अंडरपास और रेल ओवरब्रिज बनाए जा रहे हैं। मार्च महीने में आठ व पूरे साल में 15 रेल फाटक बंद किए जा चुके हैं। रेल पटरी के दोनों ओर बाउंड्री बनायी जा रही है। अनधिकृत रूप से रेलवे लाइन पार करने वाले स्थानों को चिह्नित कर वहां अभियान चलाए जा रहे हैं। मौके पर एडीआरएम ऑपरेशन विनीत कुमार, एडीआरएम इंफ्रा अमित कुमार, सीनियर डीसीएम मोहम्मद इकबाल, सीनियर डीओएम अंजय तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सरना धर्मालंवियों ने सरना पूजा कर संस्कृतिक सरहुल जुलूस निकाला गया

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला जिला मुख्यालय में केंद्रीय सरहुल संचालन समिति गुमला के तत्वाधान में प्राकृतिक पूजा (सरहुल) त्योहार के अवसर पर उरांव (सरना) क्लब दुन्दुरिया लोहरदगा रोड़ गुमला द्वारा पुरे जिला मुख्यालय में सरना झंड़ा लगया गया था और उरांव (सरना) क्लब परिसर दुन्दुरिया लोहरदगा रोड़ में आज मंगलवार को परंपरागत तरीके से पहन पुजार द्वारा सरहुल पूजा अर्चना संपन्न कराया गया एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ , तत्पश्चात दोपहर में उरांव (सरना) क्लब दुन्दुरिया लोहरदगा रोड़ गुमला के तत्वाधान में उक्त पाट स्थान से एक विशाल जुलूस निकाला गया जो जिला मुख्यालय के चैनपुर रोड़, पटेल चौक, मेन रोड, टावर चौक (शहीद चौक) पालकोट रोड़ झंडा पूजा स्थल पाट से , सिसई रोड होते हुए, पूनः टावर चौक , थाना रोड़ होते हुए, पूनः लोहरदगा रोड़, स्थित दुन्दुरिया उरांव छात्रावास स्थल पर पहुंचकर उक्त जुलूस समाप्त हुई। उक्त सांस्कृतिक जुलूस के आगे - आगे केन्द्रीय सरहुल संचालन समिति गुमला के पदाधिकारीयों , सहित जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, से संबंधित पदाधिकारी, राजनितिक पाटीर्यों से संबंधित नेतागण, एवं गण्यमान्य नागरिकों सहित उक्त विशाल सरहुल जुलूस में काफी संख्या में महिला, पुरूष,

युवक - युवती, बुढ्ढे बुजुर्ग और नन्हे मुन्ने बच्चे बच्चियों में काफी उत्साह और उमंग देखा गया , उक्त जुलूस में सभी लोग अपने-अपने पराम्परागत गीत संगीत के धुन पर अपने पराम्परागत वेशभूषा पहनकर ढोल नगाड़ों, और मंदार के थाप पर थिरकते हुए नजर आए, उक्त जुलूस के विभिन्न मुख्य मार्गों पर , विभिन्न राजनीतिक दलों और विभिन्न संगठनों द्वारा जगह - जगह पर स्वागत किया गया और जुलूस में उपस्थित लोगों को मीठे पेयजल (शरबत) उपलब्ध करायें गयें , इस दौरान गुमला जिला प्रशासन के उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी एवं पुलिस प्रशासन के गुमला पुलिस कप्तान शंभू कुमार सिंह द्वारा सभी चौक चौराहों पर मजिस्ट्रेट , सशस्त्र (महिला पुरूष) पुलिस बल तैनात किये गयें थे ।

शिवम प्रकाश ने चक्रधरपुर सीडीपीओ के रूप में योगदान दिया

बिनय मिश्रा

विगत 3 माह से चक्रधरपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के पद रिक्त रहने के पश्चात राज्य सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा 2022 बैच के आईपीएस अधिकारी को चक्रधरपुर अनुमंडल का नया एसडीपीओ सह सहायक पुलिस अधीक्षक बनाया है श्री प्रकाश 26 मार्च को 26 वे एसडीपीओ के रूप में अपना पदभार ग्रहण किया उनके योगदान देने के पक्ष से चक्रधरपुर एसडीपीओ के अधीन विभिन्न थानों का निरीक्षण एवं थाना में लंबित मामलों की यथाशीघ्र निष्पादन का प्रयास भी तेजी के साथ प्रारंभ कर दिया गया है गौरतलब हो की 4 अक्टूबर 2024 एस सीडीपीओ के रूप में योगदान देने वाले नलिन कुमार मरांडी 31 दिसंबर को सेवानिवृत हो गए थे इसके पश्चात से ही चक्रधरपुर एसडीपीओ का पद रिक्त था जिसके फलस्वरूप राज्य सरकार ने चक्रधरपुर में

एसडीपीओ के रूप में शिवम प्रकाश की को चक्रधरपुर का नया एसडीपीओ बनाया श्री प्रकाश इससे पूर्व प्रशिक्षण के दौरान देवघर जिला में प्रशिक्षु आईपीएस के रूप में भी पदस्थापित रहे हैं चक्रधरपुर अनुमंडल में आईपीएस अधिकारी के पदस्थापन होने से लोगों के बीच यह पुण विश्वास जगा है कि चक्रधरपुर में बेहतर विधि व्यवस्था और आम लोगों की सुरक्षा हेतु कारगर उपाय और बेहतर प्रयास किए जाएंगे।

एटीएम कार्ड बदलकर 85 हजार रुपए की हुई अवैध निकासी

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला जिला मुख्यालय में सक्रिय एक एटीएम फ्रॉड ग्रुप ने सुनियोजित तरीके से एटीएम से पैसा निकासी करने वाले भोले भाले लोगों विशेषकर महिलाओं से एटीएम कार्ड बदलकर लाखों रुपए की निकासी कर मालामाल हो रहे हैं , सोमवार को झारखंड पुलिस कोडरमा में कार्यरत बुधवा उरांव की पत्नी संगीता कुमारी से एटीएम कार्ड बदलकर 85 हजार की अवैध निकासी कर सफेद कार में बैठकर हुआ फरार , जिससे साफ पता चलता हैं की जिला मुख्यालय के विभिन्न एटीएम स्थलों पर चोर उचक्को का बोलबाला हो गया है ,एटीएम कार्ड बदलकर अवैध निकासी करने वाला , एक गिरोहों गुमला जिला में सक्रिय हैं और जिला मुख्यालय स्थित विभिन्न एटीएम रूम में अनाधिकृत रूप से उक्त एटीएम रूम में घुसकर भोले भाले लोगों के एटीएम कार्ड बदलकर या अन्य विभिन्न आकार प्रकार की घटनाओं को अंजाम देकर लाचार - मजबूर-गरीब व्यक्तियों की गाढ़ी कमाई लूट कर फरार हो जा रहें हैं, और संबंधित बैंक के पदाधिकारी कान में तेल डालकर सो रहे हैं, या मूक दर्शक बने हुए हैं, कोई नहीं है देखन हारा, संगीता कुमारी ने बताया कि जब मैं उक्त एटीएम में गई तो उक्त एटीएम में पहले से एक युवक उपस्थित था और एक युवक बाहर खड़ा था, जब मैं उक्त एटीएम मशीन के पास पहुंची तो , उक्त युवक ने कहा की आज कल एटीएम में काफी हेराफेरी किया जा रहा हैं, यह बटन दबाएं , यह बटन दबाएं , तब मैं बोली की मुझे एटीएम से पैसा निकासी करना आता है , यह कह कर मैं कुछ रूपए सरहुल त्योहार के लिए उक्त एटीएम से निकल कर , एटीएम से बाहर निकलीं, जब उक्त युवक ने मुझसे कहाकि , एटीएम बंद नहीं हुआ हैं और उससे कागज निकल रहा हैं, तब मैं उक्त एटीएम के पास पहूंची तो मेरे पति ने फोनकर कहाकि कितना पैसा निकाल रही हों अबतक 80 हजार रुपए का निकासी हों चूका हैं तब मैं अपना एटीएम कार्ड देखी तो वह एटीएम कार्ड किसी निधि कुमारी के नाम से हैं और मेरा एटीएम कार्ड उक्त अज्ञात युवक लेकर फरार हो चुका था,

एटीएम से पैसा निकासी के क्रम में एक फ्रॉड व्यक्ति ने एटीएम कार्ड बदलकर 85 000 रुपए की ठगी

एसबीआई बैंक पदाधिकारी की अकर्मण्यता एवं कार्य शिथिलता के कारण एटीएम में अनाधिकृत रूप से घुसकर चोर उचक्के एटीएम कार्ड बदलकर अवैध रुपए का निकासी कर रहे हैं , इसी क्रम में गुमला जिला मुख्यालय स्थित गोपाल मंदिर लोहरदगा रोड़ के समक्ष स्थित एसबीआई गुमला शाखा के एटीएम में संगीता कुमारी पहूंची थी पैसा निकालने जहां उक्त एटीएम रूम के अंदर पहले से ही अनधिकृत रूप से एक युवक उपस्थित था, जिसने एटीएम कार्ड बदलकर 85 हजार रूपया का निकासी कर बिना नंबर प्लेट वाले सफेद कर में दौड़कर बैठा और फरार हो गया , बाद में गुमला सदर थाना में पहुंचकर प्राथमिकी दर्ज कराई।

महारामनवमी धूमधाम से मनाने की तैयारियां पूर्ण

आसामाजिक तत्वों पर जिला प्रशासन, एवं पुलिस प्रशासन की होगी कड़ी निगाहें

मेट्रो रेज संवाददाता

गुमला : गुमला में महा रामनवमी उत्सव त्योहार का एक अलग ही महत्व हैं, श्री राम जन्मभूमि अयोध्या और श्री राम भगवान के अनन्य भक्त वीर हनुमान की जन्मस्थली आंजन धाम (गुमला) की एक अलग पहचान और आन - बान - शान और सम्मान से जुड़ी हुई हैं , फलस्वरूप गुमला जिले में श्री राम जन्म महोत्सव का त्यौहार महारामनवमी उत्सव (त्योहार) काफी धूम धाम से मनाया जाता हैं, और यहां के लोगों को यह घमंड हैं , की हम सभी गुमलावासी श्री वीर हनुमान के जन्मस्थली आंजन धाम (गुमला) में जन्म लेकर यहां निवास कर रहे हैं और हम धन्य हैं , गुमला जिला में महारामनवमी उत्सव त्योहार पर के अवसर पर गुमला जिला के सभी अनुमंडल , प्रखण्ड , गांव एवं मुहल्लों को विशेष रूप से सजाया संवारा गया

हैं, साथ ही साथ जिला मुख्यालय को श्रीराम , लखन , जानकी, और वीर हनुमान एवं रामायण से संबंधित विभिन्न आकार प्रकार के कटाउट , रंग बिरंगी एलईडी लाइट एवं विधुत सज्जा से तैयारकी गई आकर्षक और भव्य आकृतियां लोगों को अपने ओर आकर्षित कर रही हैं, वहीं श्री राम पताका, महावीरी झंडा और भगवा ध्वज से पुरे जिजा मुख्यालय को पाट दिया गया हैं और तो और जिला मुख्यालय में दो स्थानों पर चैती दुर्गा पूजा स्थापित कर पुरे जिला मुख्यालय का माहौल भक्तिमय वातावरण में परिवर्तन हो चुका हैं, और मां दुर्गा की महाआरती, घंटा घड़ियाल , शंखनाद से उत्पन्न भक्ति में माहौल एवं माता दुर्गा से संबंधित भक्तिमय गीतों से और सनातन हिन्दूधर्मलम्बीयों द्वारा अपने अपने घरों में स्थापित चैत्र नवरात्रा मां जगदंबे दुर्गा , शक्ति पूजा और सुबह - सायं महाआरती , पूजा अर्चना के द्वारा हमारे मन-मस्तिष्क में उत्साह और उमंग का संचार , उत्पन्न कर पूरा माहौल भक्ति में हो चुका है, साथ ही साथ महारामनवमी महोत्सव की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, जिला प्रशासन के गुमला उपयुक्त कर्ण सत्यार्थी एवं पुलिस प्रशासन के गुमला पुलिस कप्तान शंभू कुमार सिंह के द्वारा जिला मुख्यालय सहित जिले के समस्त थाना स्थित पर शांति समिति की बैठक में दोनों पक्षों द्वारा उठाए गए समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुयें सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और विशेषकर उक्त सामाजिक तत्वों को खुली चेतावनी दी गई है , जो माहौल खराब करने की मंशा रखते हैं , उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई करने की तैयारियां भी पूरी कर ली गई हैं।

पीएलएफआई उग्रवादी बिरसा मुंडा गिरफ्तार, कई मामलों में था वांछित

चाईबासा : पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव के पीएलएफआई उरवादह बिरसा मुंडा उर्फ बिरसा मुंडरी (18 वर्ष) को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. मुरहू थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए प्रतिबंधित संगठन पीएलएफआई के सक्रिय सदस्य बिरसा मुंडा उर्फ बिरसा मुण्डरी को दबोच लिया. वह पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव थाना क्षेत्र के लुम्बई गांव का रहने वाला है. बिरसा मुंडा के खिलाफ मुरहू थाना में 28 जुलाई 2023 को धारा 385/387/427 तथा धारा 25 (1ए)/25 (1बी)ए/25(6)/26/35 आर्म्स एक्ट एवं 17 सीएलए एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया था. इसके अलावा अन्य तीन मामले भी उसके खिलाफ मुरहू थाने में दर्ज हैं. वह फरार चल रहा था. पुलिस लगातार उसकी तलाश में छापेमारी अभियान चला रही थी. अंततःवह पकड़ा गया. उसके खिलाफ कोर्ट ने इश्तेहार भी जारी किया था. पुलिस का मानना है कि बिरसा मुंडा की गिरफ्तारी से पीएलएफआई की आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगेगा. वह लंबे समय से वसूली, हथियार कानून उल्लंघन और अन्य संगीन अपराधों में संलिप्त था.

रिमांड होम से भागे 21 में से 7 बाल बंदी वापस लाए गए

चाईबासा : चाईबासा रिमांड होम से मंगलवार को मेन गेट तोड़कर भागे 21 में से अब तक 7 बाल बंदियों को खोजकर वापस लाया गया है. मंगलवार की रात चार बाल बंदी वापस लाए गए थे, जबकि बुधवार को तीन बंदियों को वापस लाया गया. बाकी 14 बंदियों की पुलिस खोजबीन कर रही है.

इस बीच मामले की जांच करने बुधवार को रांची से महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की निदेशक समीरा एस चाईबासा पहुंचीं. उन्होंने रिमांड होम में हर बिंदु पर जांच की. हालांकि उन्होंने मीडिया को कुछ भी बताने से मना कर दिया. इस मौके पर पश्चिमी सिंहभूम के डीसी कुलदीप चौधरी व डीडीसी संदीप मीणा भी मौजूद थे. डीसी ने कहा कि मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है, जो भी दोषी पाए जाएंगे, उन पर कार्रवाई की जाएगी.

देवघर में बवालदो पक्षों में जमकर हुई हिंसक झड़प, 16 लोग जख्मी

मेट्रो रेज संवाददाता

देवघर : देवघर में बवाल हो गया। मोहनपुर थानांतर्गत हाड़ोडीह और रघुनाथपुर गांव में बुधवार दोपहर मामूली विवाद में दो पक्षों में हिंसक झड़प हुआ। बताया जा रहा है कि कटहल तोड़ने को लेकर विवाद में दोनों पक्षों के 16 लोग घायल हो गए। आरोपों के अनुसार बुधवार दोपहर रघुनाथपुर गांव निवासी दो युवक नशे में हाड़ोडीह गांव पहुंचे। घर के बाहर काम कर रहे राजेंद्र महतो से एक किराना दुकान के बारे में पूछा। जानकारी के बाद दोनों गए लेकिन दोपहर में दुकान बंद होने पर राजेंद्र के पास पहुंचे और दुकान बंद होने का कारण पूछा। उसने बताया कि दोपहर के कारण दुकान बंद होगी।

आरोप है कि उसी दौरान दोनों युवक राजेंद्र के घर के पास पेड़ से कटहल तोड़ने लगे। जब कटहल तोड़ने से मना किया तो बात बढ़ गई और देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। घटना की जानकारी पर ग्रामीण जुट गए। उसके बाद दोनों युवकों ने फोन कर मामले की जानकारी अन्य लोगों को दे दी। सूचना पर रघुनाथपुर के कई ग्रामीण वहां पहुंच गए और अचानक ईंट-पत्थर चलाने लगे। बताया जाता है कि पथराव में हाड़ोडीह गांव निवासी विनोद यादव, नरेश यादव, प्रभु यादव, धनकेश्वर महतो, अरविंद कुमार, प्रतिमा देवी, दिलीप यादव, मनोज यादव और बालेश्वर महतो

जख्मी हो गए। वहीं दूसरे पक्ष की ओर से मो. गुलफाम अंसारी भी जख्मी हो गए।

घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच समझौते की कोशिश शुरू हो गई। विवाद सुलझाने के लिए पंचायत लगायी। देवघर विधायक सुरेश पासवान, प्रमुख प्रतिनिधि रंजीत यादव, मुखिया प्रतिनिधि हातिम अंसारी, भूतनाथ यादव, राजेश यादव, प्रमोद यादव और पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में दोनों गांवों के प्रमुख ग्रामीण जुटे। पंचायत कर मामले को शांत कराया। पंचायत के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे से माफी मांगते हुए आगे इस तरह की घटनाओं को नहीं दोहराने का वादा किया।

घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया, जिससे स्थानीय ग्रामीण भयाक्रांत हो गए। वहीं सूचना मिलते ही मोहनपुर बीडीओ संतोष कुमार चौधरी और सदर इंस्पेक्टर केएन झा के नेतृत्व में पुलिस टीम घटनास्थल पहुंची व स्थिति संभाला। टीम में मोहनपुर थाना प्रभारी प्रियरंजन कुमार, सोनारायठाढ़ी थाना प्रभारी प्रशांत कुमार व सारवां थाना प्रभारी संदीप कुमार के अनावा पुलिस बल शामिल रहे।